# घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 118- शुक्रवार 27- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028


# मोदी-नेतन्याहू की बैठक में समझौता...इजराइल में भारतीय यूपीआई चलेगा

## जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेंगे,इजराइल आना मेरे लिए गर्व की बात : पीएम मोदी

**तेल अवीव,26 फरवरी 2026।** प्रधानमंत्री मोदी दूसरे दिन सबसे पहले यरूशलम के होलोकॉस्ट मेमोरियल 'याद वाशेम' पहुंचे। यहां उन्होंने हिटलर के नाजी शासन में मारे गए 60 लाख यहूदियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद इजराइली राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से मुलाकात की। इस दौरान इसाक ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जो पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। वहीं,पीएम मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दिया। फिर पीएम मोदी और इजराइली पीएम नेतन्याहू ने द्विपक्षीय मीटिंग के बाद जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान बताया गया है कि इजराइल में भी अब भारत का यूपीआई पेमेंट सिस्टम चलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत जल्द इजराइल के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करेगा। मोदी बुधवार को इजराइल पहुंचे थे। नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया था। इसके बाद पीएम मोदी ने इजराइली संसद नेसेट को भी संबोधित किया। उन्हें संसद का सर्वोच्च सम्मान 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' दिया गया। मोदी नेसेट को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत-इजराइल संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए पीएम मोदी को इजराइली संसद का सम्मान मिला। 'स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल' पाने वाले पीएम मोदी पहले शख्स हैं। मिस्री ने बताया कि आज सुबह पीएम मोदी ने यद वाशेम,वर्ल्ड होलोकॉस्ट रिमेम्ब्रेंस सेंटर में होलोकॉस्ट पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति आइजैक हर्जोग से मुलाकात की और राष्ट्रपति भवन परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत ओक का पौधा लगाया। पीएम मोदी और पीएम नेतन्याहू के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में दोनों देशों ने विज्ञान,तकनीक,नवाचार,साइबर सिक्योरिटी, कृषि,जल प्रबंधन,रक्षा,व्यापार और लोगों के बीच संपर्क समेत कई क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने पर सहमति जताई।

### भारत और इजराइल के बीच 16 एमओयू और समझौते साइन हुए...

मिस्री ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत के बाद करीब 16 एमओयू और समझौतों का आदान-प्रदान हुआ। ये समझौते विज्ञान,तकनीक,नवाचार,साइबर सिक्योरिटी,कृषि,जल प्रबंधन,रक्षा,व्यापार और आर्थिक सहयोग समेत कई क्षेत्रों से जुड़े हैं। भारत-इजराइल संबंधों को 'स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फॉर पीस,इनोवेशन एंड प्रॉस्पेरिटी' तक अपग्रेड करने का निर्णय लिया गया है। यह फैसला दोनों देशों के बीच गहरे विश्वास और मजबूत साझेदारी का प्रतीक है।

### मोदी बोले- दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं...

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल इस बात पर पूरी तरह सहमत हैं कि दुनिया में आतंकवाद की कोई जगह नहीं है। किसी भी रूप में आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हम अब तक कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और उसका समर्थन करने वालों के खिलाफ खड़े रहे हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी है। इसलिए हमने हमेशा बातचीत और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया है। यही ग्लोबल साउथ और पूरी मानवता की भी मांग है। गाजा पीस प्लान से शांति की दिशा में एक रास्ता बना है। भारत ने इन प्रयासों का पूरा समर्थन किया है। आगे भी हम सभी देशों के साथ बातचीत और सहयोग जारी रखेंगे।

### मोदी बोले...भारत में 100 सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस बनाने का टारगेट...

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और इजराइल के बीच कृषि के क्षेत्र में लंबे समय से अच्छा और सफल सहयोग रहा है। आज हमने तय किया है कि इस सहयोग को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक नई दिशा दी जाएगी। इजराइल की मदद से भारत में बनाए गए सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस हमारी दोस्ती का बेहतरीन उदाहरण हैं। इनकी सफलता को देखते हुए हमने ऐसे केंद्रों की संख्या बढ़ाकर 100 तक करने का लक्ष्य रखा है।

### भारत-इजराइल जल्द फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को अंतिम रूप देंगे

मोदी ने कहा ...कि हमने अपने सहयोग को नई दिशा देने और उसे तेजी से आगे बढ़ाने पर बात की। हमारा आर्थिक सहयोग विकास,नवाचार और साझा समृद्धि का मजबूत इंजन बना हुआ है। आपसी निवेश बढ़ाने के लिए हमने पिछले साल द्विपक्षीय निवेश समझौता किया था। हम जल्द ही दोनों देशों के लिए फायदेमंद फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को भी अंतिम रूप देंगे। टेक्नोलॉजी हमारी भविष्य की साझेदारी का अहम हिस्सा है। आज हमने क्रिटिकल और उभरती टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप शुरू करने का फैसला किया है। इससे एआई, क्वांटम और महत्वपूर्ण खनिज जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई रफ्तार मिलेगी।

### विदेश सचिव बोले...पीएम का दौरा 'रिच और प्रोडक्टिव'

प्रधानमंत्री मोदी के इजराइल दौरे को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 'रिच और प्रोडक्टिव' बताया है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे से कुछ अधिक समय की यह यात्रा छोटी जरूर थी,लेकिन उपलब्धियों के लिहाज से बेहद समृद्ध रही। विदेश सचिव ने कहा कि यह दौरा प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर हुआ और इससे भारत-इजराइल संबंधों को नई दिशा मिली है। उन्होंने बताया कि यह यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है,जिसके तहत वे पश्चिम एशिया के देशों के साथ भारत के रिश्तों को सक्रिय रूप से मजबूत कर रहे हैं।

# वॉट्सएप 1 मार्च से सिम कार्ड के बिना नहीं चलेगा

### सरकार ने डेडलाइन बढ़ाने से मना किया कंप्यूटर पर हर 6 घंटे में लॉगआउट होगा

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2026।** केंद्र सरकार ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि 'सिम बाइंडिंग' के नियमों को लागू करने की 28 फरवरी की डेडलाइन नहीं बढ़ाई जाएगी। नए नियमों के तहत मोबाइल में सिम कार्ड न होने पर वॉट्सएप,टेलीग्राम,सिग्नल,स्नैपचैट, शेयरचैट,जियोचैट,अराटाई और जोश जैसे मैसेजिंग एप काम नहीं करेंगे। कंप्यूटर पर लॉगिन वॉट्सएप भी 6 घंटे में लॉगआउट हो जाएगा। सरकार का दावा है कि इससे साइबर धोखेबाजों का पता लगाने में मदद मिलेगी।

## वैश्विक नेता बनने के लिए राष्ट्र को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति पानी होगी : उपराष्ट्रपति

**श्रीनगर,26 फरवरी 2026।** उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचारों के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के लिए देश को अपनी औपनिवेशिक मानसिकता त्यागनी होगी। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग के प्रति सचेत रहने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस पर नियंत्रण रखना होगा। सोशल मीडिया आपको जीवन में अधिक सफल होने में मदद नहीं करेगा। हर चीज की अपनी सीमा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक स्नातक छात्र के रूप में मैं आप सभी से स्वदेशी नवाचार और भारतीय ज्ञान,संसाधनों और आवश्यकताओं पर आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता हूं। हमें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है,हमें हीन होने की आवश्यकता नहीं है। हमें सबसे पहले अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को पहले से कहीं अधिक जीवंत और सहायक बनाया है। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सभी वैज्ञानिकों से इस महामारी के लिए टीका विकसित करने का आह्वान किया है। हममें से कितने लोगों ने इस पर विश्वास किया था? लेकिन हमने सबसे बेहतरीन टीका खोज लिया है और यह पूरी मानवता के लिए बहुत कारगर साबित हुआ है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि इसी टीके पर सबसे विकसित पश्चिमी देशों ने भी शोध और विकास किया है, लेकिन वे सभी इसे पेटेंट कराने में पीछे रह गए, ताकि वे इसे ऊंची कीमत पर बेच सकें।

## सीमांचल से गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल चुनाव में घुसपैठ को लेकर साधा निशाना

**अररिया,26 फरवरी 2026।** बिहार में सीमांचल के तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अररिया में रहे। अररिया के सिकटी प्रखंड के लेटी स्थित एसएसबी 52वीं बटालियन के बॉर्डर आउट पोस्ट पर 170 करोड़ की लागत से विभिन्न स्थानों पर बने भवन का लोकार्पण किया। गृह मंत्री ने लेटी में एसएसबी के अधिकारियों और जवानों के साथ सीधा संवाद भी किया। अपने संबोधन में उन्होंने पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के मुद्दे पर भी निशाना साधा। उन्होंने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्र के बदलते डेमोग्राफी पर राय रखी। अमित शाह ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के 10 किलोमीटर के भीतर अवैध अतिक्रमण के साथ घुसपैठियों को बाहर निकालने का काम करेगी। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में घुसपैठियों को लेकर किए गए वायदे को लेकर कहा कि अक्सर नेता द्वारा किए गए वायदों को जनता नेता को याद कराती है।

# दिल्ली हाईकोर्ट का सैनिकों के हक में फैसला...कहा...लाइफस्टाइल डिसऑर्डर बताकर दिव्यांगता पेंशन नहीं रोक सकते,सैन्य सेवा हर परिस्थिति में तनावपूर्ण

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2026।** दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि सशस्त्र बलों के कर्मियों की दिव्यांगता पेंशन को सिर्फ यह कहकर नहीं रोका जा सकता कि बीमारी 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डर' है या वह पीस एरिया में तैनाती के दौरान हुई। हाई कोर्ट ने कहा कि गैर-ऑपरेशनल क्षेत्रों में भी सैन्य सेवा तनावपूर्ण होती है और इससे गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। बता दें कि सेना में 'पीस पोस्टिंग' का मतलब है कि सैनिक या अधिकारी की पोस्टिंग बॉर्डर पर नहीं बल्कि शांत और सुरक्षित शहरों या छावनियों में होती है। जस्टिस वी. कामेश्वर राव और जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की डिवीजन बेंच ने आर्मड फोर्सेज ट्रिब्यूनल के उस आदेश को रद्द कर दिया,जिसमें भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी की दिव्यांग पेंशन याचिका खारिज कर दी गई थी। वे हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) और कोरोनरी आर्टरी डिजीज से पीड़ित हैं।

**कोर्ट बोला...बीमारी को सिर्फ लाइफस्टाइल डिसऑर्डर कहना गलत** : कोर्ट ने साफ कहा कि यह मायने नहीं रखता कि बीमारी फील्ड एरिया में हुई या पीस पोस्टिंग में। असली सवाल यह है कि क्या बीमारी का सेवा परिस्थितियों से संबंध है। इस केस में रिलीज मेडिकल बोर्ड यह ठीक से नहीं बता सका कि अफसर की बीमारियां सेवा से जुड़ी नहीं थीं या सेवा के कारण नहीं बढ़ीं। कोर्ट ने साफ कहा कि बिना किसी ठोस वजह के बीमारी को सिर्फ 'लाइफस्टाइल डिसऑर्डर' कहना कानूनन सही नहीं है। कोर्ट ने यह भी बताया कि मेडिकल बोर्ड ने खुद माना था कि यह बीमारी अधिकारी की किसी लापरवाही या गलत आदतों की वजह से नहीं हुई। कोर्ट ने मोटापा, धूम्रपान या शराब से जुड़े तर्क भी खारिज कर दिए, क्योंकि मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट में इन्हें कारण नहीं बताया गया था। सिर्फ वजन ज्यादा होना, हाई ब्लड प्रेशर या हृदय रोग को खुद से पैदा हुई बीमारी साबित नहीं करता। कोर्ट ने यह भी कहा कि एएफटी ने बिना मेडिकल सबूत के वजन और लाइफस्टाइल के आधार पर निष्कर्ष निकाले। कोर्ट ने हृदय रोग को लेकर मेडिकल बोर्ड की दलीलों को भी कमजोर बताया और कहा कि बीमारी को सिर्फ पिछले 14 दिनों की ड्यूटी से जोड़ना तर्कसंगत नहीं है।

### अफसर ने 40 साल से ज्यादा सेवा दी,अब 50% दिव्यांग

याचिकाकर्ता रिटायर्ड अफसर ने भारतीय वायुसेना में 40 साल से अधिक सेवा दी थी। ज्वाइनिंग के समय वह मेडिकल रूप से फिट थे। 1999 में उन्हें हाईपरटेंशन हुआ और 2016 में गंभीर कोरोनरी आर्टरी डिजीज के कारण ओपन-हार्ट सर्जरी करानी पड़ी। उनकी दिव्यांगता 50% आंकी गई थी, फिर भी पेंशन से वंचित कर दिया गया। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर करते हुए 50% आजीवन दिव्यांग पेंशन देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने रिटायरमेंट की तारीख से बकाया भुगतान 8 सप्ताह के भीतर जारी करने को कहा है। देरी होने पर 12% सालाना ब्याज देना होगा।

# 'करप्शन इन ज्यूडीशियरी' वाली किताब पर सुप्रीम कोर्ट का बैन

## सुप्रीम कोर्ट कहा...हार्ड कॉपी वापस लें,डिजिटल कॉपी हटाएं एनसीईआरटी डायरेक्टर और एजुकेशन सेक्रेटरी को नोटिस

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2026।** सुप्रीम कोर्ट ने 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' चैप्टर वाली एनसीईआरटी की किताब बैन कर दी है। गुरुवार को चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने 8वीं क्लास की सोशल साइंस की यह किताब छांपने और बांटने पर रोक लगा दी। पहले भेजी गई किताबें वापस लेने और डिजिटल कॉपियां हटाने का आदेश भी दिया। कोर्ट ने इस मामले में एनसीईआरटी डायरेक्टर और केंद्रीय शिक्षा सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सिलेबस से जुड़ी बैठकों की कार्यवाही और विवादित चैप्टर लिखने वाले लेखकों के नाम और उनकी योग्यता बताने को भी कहा है। सीजेआई ने कहा- यह न्यायपालिका को बदनाम करने की गहरी और सोची-समझी साजिश लगती है। जिम्मेदारों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गहराई से जांच होगी और केस बंद नहीं होगा। एनसीईआरटी पर अवमानना की कार्रवाई भी हो सकती है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खुद नोटिस लिया है। अगली सुनवाई 11 मार्च को होगी। बुधवार को सीजेआई की फटकार के बाद एनसीईआरटी ने इस मामले में माफी मांग ली थी। इस मामले में सरकारी सूत्रों ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से संबंधित आंकड़े संसदीय अभिलेखों और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड में मौजूद हैं,लेकिन फैक्ट्स के क्रॉस वेरिफिकेशन के लिए केंद्र से परामर्श नहीं लिया गया। केंद्र और राज्यों के शिक्षा विभाग तय करें कि किताब चाहे स्कूलों में हो, छपी हुई हों या डिजिटल, तुरंत लोगों की पहुंच से हटाई जाए। किताब के प्रिंटेड या डिजिटल वर्जन को बांटना कोर्ट के आदेश का जानबूझकर उल्लंघन माना जाएगा। सभी राज्यों के शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव 2 हफ्ते में इस मामले में कार्रवाई की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपें। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट कमेटी बनाएगा, जो पूरे मामले की जांच करेगी और जिम्मेदार लोगों की पहचान करेगी।

## यह इंडिया है,नॉर्थ कोरिया नहीं,शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट डेमोक्रेसी की आत्मा : राहुल गांधी

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2026।** नेता विपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को यूथ कांग्रेस मेंबर्स के खिलाफ एक्शन पर राहुल ने पीएम मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की सरकार और नॉर्थ कोरिया के तानाशाही शासन एक जैसा है। ये इंडिया है,नॉर्थ कोरिया नहीं। राहुल ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट डेमोक्रेसी की आत्मा है। यह कोई अपराध नहीं है। उन्होंने पूछा... जब आदिवासी अपने जल, जंगल, जमीन के हक के लिए खड़े हुए,तो उन पर भी शक की नजर डाली गई। यह कैसा लोकतंत्र है, जहां पीएम सवालों से डरते है? जहां असहमति को कुचलना शासन का स्वभाव बनता जा रहा है? दरअसल,दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस मेंबर्स ने शर्ट उतार कर प्रोटेस्ट किया था। इस संबंध में दिल्ली पुलिस 3 सदस्यों को गिरफ्तार करने शिमला पहुंची थी। इसके बाद हिमाचल पुलिस ने दिल्ली पुलिस को उन्हें ले जाने से रोक लिया था। राहुल ने ये बातें गिरफ्तार तीन यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिल्ली वापस लाने की इजाजत मिलने के बाद कही।

## प्लेटफॉर्म्स स्वेच्छा से रेवेन्यू साझा करें,अन्यथा कई देश कानूनी राह दिखा चुके : अश्विनी वैष्णव

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2026।** भारत के शीर्ष प्रकाशक समूहों की डिजिटल इकाइयों के संगठन डीएनपीए की ओर से गुरुवार को डीएनपीए कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया। डिजिटल मीडिया के दौर में समाचार माध्यमों की भूमिका कैसी हो? इस विषय पर यहां विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पूरी दुनिया के मीडिया जगत के लिए यह महत्वपूर्ण दौर है। यह सही निर्णय लेने का समय है। यह जरूरी है कि आम सहमति बने, अच्छे विकल्प सामने आएं और अच्छी सिफारिशें मिलें ताकि भविष्य की नीतियों को आकार दिया जा सके। बदलते दौर में समाचार माध्यमों की भूमिका पर केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि पूरा मानव समाज भरोसे की संस्थाओं पर टिका है। यह भरोसा परिवार से शुरू होता है और सामाजिक पहचान,न्यायपालिका, मीडिया, विधायिका जैसी संस्थाओं तक जाता है। समाज के अलग-अलग अंग और संस्थाएं विश्वास के सिद्धांत पर काम करती हैं। मीडिया घरानों के लिए भी बुनियादी सिद्धांत यही रहता है कि वह निष्पक्ष और जिम्मेदार रहें।

मीडिया के समक्ष खतरे भी मौजूद हैं। जैसे-डीप फेक, गलत सूचनाओं का प्रवाह। हर समाज इस तरह के खतरों से जूझ रहा है। जो संस्थाएं शताब्दियों से मौजूद हैं, उन्हें इन खतरों से कैसे बचाए रखा जाए, यह बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन सेफ्टी इसके लिए बहुत जरूरी है। खबरों की प्रामाणिकता, बच्चों की सुरक्षा, सिंथेटिक कंटेंट से बचाव भी जरूरी है और इसके लिए निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है।

# संबित पात्रा ने नेहरू को 'कंप्रोमाइज्ड चाचा' बताया

### कहा...उनकी सरकार में विदेशी एजेंसियों का प्रभाव था,कांग्रेस ने पैसे देकर एआई समिट को बदनाम किया

**नई दिल्ली,26 फरवरी 2026।** भाजपा सांसद संबित पात्रा ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का कंप्रोमाइज्ड चाचा बताया। पात्रा ने कहा कि मैं बताता हूं कि असली समझौता किसने किया। इस सिलसिले में नेहरू का नाम सबसे पहले आता है। पात्रा ने कहा कि नेहरू के निजी सचिव रहे एम.ओ. माथाई को लेकर कहा जाता था कि वे अमेरिकी एजेंट थे। 1960 के दशक में सोवियत खुफिया एजेंसी केजीबी के एजेंट प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच रखते थे। पात्रा बोले...उस दौर में यह चर्चा आम थी कि विदेशी एजेंसियों को जो भी संवेदनशील दस्तावेज चाहिए होते थे,वे आसानी से मिल जाते थे। संबित पात्रा ने दिल्ली में प्रेस कॉफ्रेंस में ये बातें कहीं। उन्होंने ये भी कहा कि एआई समिट को बदनाम करने के लिए कांग्रेस ने इन्फ्लुएंसर्स को पैसे के ऑफर्स दिए।

### संबित पात्रा की पांच बड़ी बातें...

- 1958 में ओमान के सुल्तान ने ग्वादर पोर्ट भारत को सौंपने की पेशकश की थी, लेकिन नेहरू ने उसे अस्वीकार कर दिया। आज ग्वादर पोर्ट चीन और पाकिस्तान के लिए रणनीतिक रूप से बेहद अहम बन चुका है।
- नेहरू ने विदेशी देशों को भारतीय क्षेत्र देने की चर्चा क्यों की। ऐसे फैसलों के पीछे किस तरह का दबाव या परिस्थिति थी।
- यह समझना जरूरी है कि क्या उस समय किसी बड़े लाभ या बाहरी प्रभाव के चलते ऐसे कदम उठाए गए। क्या इन मुद्दों पर कांग्रेस नेतृत्व को जवाब देना चाहिए।
- सोशल मीडिया पर ऐसे पोस्ट और रील्स वायरल हो रहे हैं,जिनमें दावा किया जा रहा है कि कांग्रेस कार्यालय या वरिष्ठ नेताओं की ओर से एआई इम्पैक्ट समिट के खिलाफ पोस्ट या रील बनाने पर 25 हजार रुपए से लेकर 1.5 लाख रुपए तक देने के संदेश भेजे गए हैं।
- ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं और स्क्रीनशॉट सार्वजनिक रूप से शेयर किए गए हैं।

## संपादकीय

# अपने मूल उद्देश्य से भटक गया रेरा

**रेरा ऐसी सख्त और सक्रिय कार्रवाई करे,जो अनुशासन स्थापित करे और देरी वाले प्रोजेक्ट समय पर पूरे कराए। रेरा को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जहां शिकायत की नौबत ही न आए और तभी रेरा सफलता के नए आयाम लिख पाएगा। कानून मजबूत है। अब जरूरत है मजबूत इरादे की...**

जब भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम,2016 यानी रेरा के नौ साल पूरे हो चुके हैं,तब पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट की ओर से उसके खिलाफ की गई सख्त टिप्पणी ने सबका ध्यान खींचा। इस कानून को इस उम्मीद में बनाया गया था कि इससे घर-फ्लैट खरीदारों को मदद मिलेगी और उन्हें बिल्डरों की मनमानी और भ्रष्टाचार से राहत मिलेगी,लेकिन हो रहा उलटा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रेरा को बंद कर देना ही बेहतर है,क्योंकि यह डिफाल्टर बिल्डरों को फायदा पहुंचा रहा है और रिटायर्ड आइएएस अधिकारियों का पुनर्वास केंद्र बन गया है। अब समय आ गया है कि राज्य सरकारें रेरा के गठन पर दोबारा विचार करें। संसद ने रेरा इसलिए बनाया था, ताकि रियल एस्टेट सेक्टर में अनुशासन, पारदर्शिता आए और लोगों का भरोसा बने। उपभोक्ता कानून की तरह सिर्फ नुकसान होने के बाद मुआवजा देना इसका उद्देश्य नहीं था।

रेरा को इस तरह बनाया गया था कि वह नुकसान होने से पहले ही उसे रोके। यानी लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई इसकी असली ताकत थी। सवाल यह है कि क्या इसे सही तरीके से लागू किया गया? अगर रेरा के प्रविधानों को सख्ती से लागू किया जाता और पंजीकरण के समय बिल्डरों की पूरी और गंभीर जांच होती तो अधिकतर प्रोजेक्ट समय पर और बिना किसी शिकायत के पूरे होते। ऐसी स्थिति में बिल्डर समय पर प्रोजेक्ट पूरा करना अपनी प्रतिष्ठा का विषय बनाते। सही तरीके से लागू किया गया कानून सिर्फ सजा नहीं देता। वह ऐसी व्यवस्था बनाता है, जहां अच्छा प्रदर्शन दिखे भी और उसे मापा भी जा सके। समय पर और बिना विवाद के प्रोजेक्ट पूरा होने पर ही रेरा है तो भरोसा है जैसे नारे सच में भरोसा पैदा करते,सिर्फ नारा बनकर नहीं रह जाते, लेकिन हकीकत यह है कि पंजीकरण सिर्फ कागज अपलोड करने की प्रक्रिया बनकर रह गई है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं,जहां बिल्डर के ब्रोशर में देशभर में कई परियोजनाएं दिखाई गईं,लेकिन रेरा पोर्टल पर केवल एक ही पंजीकृत परियोजना दर्ज थी और शिकायतों का डाटा भी बहुत कम था।

जब प्रोजेक्ट की सुविधाओं की जानकारी बिल्डर की वेबसाइट, स्वीकृत नक्शों और रेरा पोर्टल पर अलग-अलग दर्ज हो तो फिर कोई घर-खरीदार प्रोजेक्ट के बारे में सही और सटीक जानकारी कहां से हासिल करे? यदि जानकारी ही स्पष्ट न हो तो रेरा के वेब पोर्टल का घर-खरीदार को वास्तविक लाभ क्या मिला? बिक्री समझौते का मसौदा भी कई बार उपलब्ध नहीं होता,जिसे कानून के तहत अनिवार्य रूप से रेरा वेबसाइट पर अपलोड किया जाना चाहिए। यह दिखाता है कि परियोजनाओं का पंजीकरण ठीक से नहीं किया जा रहा है और शुरुआत में ही सही जांच नहीं हो रही है।

रेरा कहता है कि प्रोजेक्ट की समय सीमा बढ़ाना सिर्फ खास परिस्थितियों में होना चाहिए, लेकिन कई राज्यों में एक्सटेंशन आम बात है। एक्सटेंशन मिलने के बाद भी सभी खरीदारों को अपने-आप मुआवजा मिलना शुरू नहीं होता। आम तौर पर देरी का कोई सीधा आर्थिक असर बिल्डर पर नहीं पड़ता,लेकिन घर-खरीदार के लिए देरी बहुत ही महंगी पड़ती है। कायदे से यह बिल्डर को भी महंगी पड़नी चाहिए। आज डाटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जमाना है। प्राधिकरण चाहें तो निर्माण की वास्तविक प्रगति की तुलना रिपोर्ट से कर सकते हैं,पैसों के प्रवाह को देख सकते हैं,जोखिम पहले से पहचान सकते हैं और भविष्य में उत्पन्न होने वाले किसी भी विलंब या विवाद को पहले ही पकड़ सकते हैं और समय रहते सुधारात्मक कदम उठा सकते हैं,लेकिन इस रोकथाम पर उनका ध्यान ही नहीं है जो कानून का मुख्य उद्देश्य है।

महाराष्ट्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथारिटी (महारेरा) की वेबसाइट पर उपलब्ध एक बिक्री समझौते में लिखा है कि अगर खरीदार 15 दिनों में कब्जा नहीं लेता तो 40 रुपये प्रति वर्ग फुट प्रति माह होल्डिंग चार्ज देना होगा। 1,000 वर्ग फुट के फ्लैट पर यह 40,000 रुपये प्रति माह बनता है। कानून खरीदार को कब्जा लेने के लिए 60 दिन देता है। नियमों में भी कहा गया है कि देरी की स्थिति में मुख्यतः मेंटेनेंस चार्ज देय होगा। फिर भी ऐसे प्रविधान खुलेआम बिल्डरों द्वारा डाले जा रहे हैं। जब बिल्डर खुद देरी करता है तो खरीदार के लिए अन-होल्डिंग चार्ज जैसा कोई प्रविधान नहीं है,जबकि खरीदार को एक साथ ईएमआइ और किराया देना पड़ता है।

लगता है बिल्डर मानकर चल रहे हैं कि उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं होगी। कोई कानून तभी काम करता है,जब नियम तोड़ना महंगा हो। अगर नियम तोड़ना सस्ता पड़े तो अनुशासन खत्म हो जाता है। जब नियम मानना वैकल्पिक लगे और नियम तोड़ने पर कोई खास नुकसान न हो तो कानून अपना असर खो देता है। कोई भी मजबूत कानून अगर नरमी से लागू किया जाए तो वह असरदार नहीं होता। रेरा तभी सफल होगा,जब उसके प्राधिकरण अपनी मूल जिम्मेदारी पर लौटेंगे और कानून के प्रविधानों को सख्ती से लागू करके घर-खरीदारों की रक्षा करेंगे। रेरा ऐसी सख्त और सक्रिय कार्रवाई करे,जो अनुशासन स्थापित करे और देरी वाले प्रोजेक्ट समय पर पूरे कराए। रेरा को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जहां शिकायत की नौबत ही न आए और तभी रेरा सफलता के नए आयाम लिख पाएगा। कानून मजबूत है। अब जरूरत है मजबूत इरादे की।

# भगवान दास माहौर:क्रांतिपथ का अविचल राही

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

पूरे परिवेश में ऊर्जा एवं उत्साह की लहर थी। देशभक्ति-भाव से वातावरण ओजमय था। देश की स्वतंत्रता में क्रांतिकारियों के योगदान की चर्चा हर जुबान थी। स्वतंत्रता के वेदिका में सांसों की समिधा समर्पित कर अमर हो गये क्रांतिपथिकों के प्रति उपस्थित जन समूह में श्रद्धा का सरोवर लबालब भरा हुआ था। अवसर था लखनऊ में, महान बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के अनावरण का। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित आजाद के घनिष्ठ मित्र ने चंद्रशेखर आजाद-अमर रहें के जनघोष के बीच मूर्ति पर ढंका कपड़ा हटाया,अश्रुपूरित नेत्रों से पुष्प माला पहनाई और प्रणाम हेतु चरणों में झुक गये। पूरा माहौल बलिदानी ओजस्वी नारों से गूंजता रहा। आजाद की मूर्ति के चरणों में झुका मुख्य अतिथि की शीश झुका ही रहा। एक सह-अतिथि ने हाथ का सहारा दे उठाना चाहा, पर यह क्या! उनके हाथों में निष्प्राण देह झूल गयी। अपने आदर्श, क्रांतिकारी साथी मां भारती के सपूत चंद्रशेखर आजाद के चरणों में मुख्य अतिथि ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। मुख्य अतिथि थे डॉ. भगवान दास माहौर और दिन था 12 मार्च,1979 सोमवार।

चंद्रशेखर आजाद और सरदार भगत सिंह के प्रिय साथी भगवान दास माहौर का जन्म 27 फरवरी,1910 को झांसी जनपद के बड़ौनी गांव में हुआ था जो अब मध्यप्रदेश के दतिया जिला अंतर्गत आता है। माता नन्नीबाई लाड़-प्यार लुटातीं पशु-पक्षियों एवं प्रकृति से जुड़ी कहानियां सुनातीं, फलतः बालक भगवान दास प्रकृति के सान्निध्य में शांति एवं सुख अनुभव करते प्रकृति से भावनात्मक रूप से जुड़ता गया। पिता रामचरन माहौर का मिठाई बनाने का व्यवसाय था, किंतु वह जीवन में शिक्षा के महत्व से परिचित थे। इसी कारण पढ़ाई की उम्र होते ही बालक को गांव के विद्यालय में भेजा जाने लगा और समय के साथ उसने पांचवीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली। आगे की शिक्षा हेतु गांव में विद्यालय उपलब्ध न था तो भगवान दास को कक्षा 6 में प्रवेश हेतु झांसी में रिश्तेदार नाथूराम माहौर के पास भेज दिया गया और वह मन लगाकर पढ़ने लगे। प्रकृति और साहित्य से लगाव बढ़ने लगा था,पर नियति ने तो कुछ और ही रच लगा था। कक्षा 9 में अध्ययन के दौरान भगवान दास का सम्पर्क क्रांतिकारी युवा शचींद्रनाथ बख्शी से हुआ। शचींद्रनाथ ने भगवान दास को चंद्रशेखर आजाद से मिलवाया। उम्र रही होगी 15-16 वर्ष,आजाद ने परीक्षा ली।

शचींद्रनाथ ने पिस्तौल में गोली भरकर नली भगवान दास की ओर करके ट्रिगर दबाते हुए कहा कि गोली ऐसे चलाते हैं। इसी बीच आजाद ने शचींद्रनाथ का हाथ ऊपर उठा दिया,गोली छत से जा टकराई और छत का थोड़ा चूरा फर्श पर फैल गया। आजाद ने भगवान दास की नब्ज टटोली,दिल की धड़कन सुनी, सब सामान्य जैसे कुछ हुआ ही न हो। साहस के धनी भगवान दास न केवल क्रांतिकारी दल में शामिल कर लिए गये, बल्कि आजाद के घनिष्ठ और प्रिय साथी भी बन गये। चंद्रशेखर आजाद का आगमन जब भी झांसी होता तो भगवान दास के साथ ही रहते। झांसी के ही दो क्रांतिकारी साथी सदाशिव मलकापुर एवं विश्वनाथ वैशम्पायन,जो बांदा में बहुत समय रहे और पढ़ाई की,भी मिलते। बारहवीं उत्तीर्ण कर आजाद के निर्देश पर भगवान दास ने 1928 में विक्टोरिया कालेज ग्वालियर में प्रवेश ले छात्रावास में रहने लगे। यहां क्रांतिकारी साथियों का बहुत आना-जाना लगा रहता था,किसी को शक न हो जाये, यह सोच कर भगवान दास ने छात्रावास छोड़कर बाहर शहर में एक मकान किराये पर लिया। यहां पर क्रांतिकारियों का छिपना-रहना आसान हो गया। काल चक्र का पहिया चलता रहा। लाहौर में साइमन कमीशन के विरोध प्रदर्शन के दौरान लाठियों की मार से लाला लाजपत राय का बलिदान हो चुका था। बदला लेने और देश में उत्साह जगाने के लिए लाठी चार्ज का आदेश देने वाले अंग्रेज अधिकारी जेम्स अलेक्जेंडर स्काट का वध आवश्यक था। चंद्रशेखर आजाद ने भगवान दास को लाहौर बुला लिया। योजना बनी, भूलवश स्काट की जगह जॉन पायंट्ज साण्डर्स की हत्या हो गयी। पर विषय यह नहीं है कि किसकी हत्या हुई, विषय यह है कि भगवान दास की जिम्मेदारी थी कि यदि भगतसिंह और शिवराम राजगुरु से कोई चूक होती है तो विकल्प के तौर पर भगवान दास माहौर अंग्रेज अधिकारी को तुरंत गोली मार देंगे,साथ ही भगत सिंह और राजगुरु को कवर फायर भी देंगे। इस घटना के बाद कुछ क्रांतिकारी ग्वालियर आ गये। भगवान दास ने सभी को विभिन्न स्थानों पर छिपा दिया। क्रांति कभी भी लुक-छिपकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने से नहीं होती। अतः आजाद के निर्देश पर भगवान दास माहौर और शिवदास मलकापुर 1930 में बम-बारूद और हथियारों की पेटी लेकर शिवराम राजगुरु के पास अकोला के लिए निकले। किंतु जयगोपाल एवं फणींद्रनाथ घोष की मुखबिरी से भुसावल में पकड़ लिए गये। जलगांव में मुकदमा चला और भगवान दास माहौर को 14 साल की जेल सजा हुई। इस मुकदमें के दौरान पहचान के लिए दोनों मुखबिर जलगाव कोर्ट में गवाही देने आने वाले थे। चंद्रशेखर आजाद ने सदाशिव मलकापुर के भाई शंकर राव के हाथ 20 फरवरी को भोजन पात्र में एक भरी पिस्तौल भगवान दास को भेज कर दोनों मुखबिरों की हत्या का निर्देश दिया। 21 फरवरी को पेशी थी,न्यायालय के बाहर भोजन करते मुखबिरों पर भगवान दास ने गोली चलाई किंतु सुरक्षाकर्मी आगे आ गया, दोनों मुखबिर मेज के नीचे छिप गये,पर अगली दो गोलियों ने दोनों को घायल कर दिया था। भगवान दास को जेल में बंद कर कठोर यातना दी गई। वर्ष 1938 में जब कांग्रेस मंत्रिमंडल बना तब आठ साल की जेल के बाद भगवान दास को रिहा किया गया,किंतु आंदोलनों में सक्रियता के कारण वह 1940 में फिर जेल में बंद कर दिये गये।

वर्ष 1945 में जेल से छूटने के बाद भगवान दास ने बीए, एमए करके आगरा विश्वविद्यालय से1857 के स्वाधीनता संग्राम का हिंदी साहित्य पर प्रभाव विषय पर शोध कर पीएचडी उपाधि प्राप्त की और बुंदेलखंड विश्वविद्यालय,झांसी में अध्यापन कार्य किया। वह कलम के धनी थे,साहित्य के आंगन में विचरण करते थे। क्रांतिकारियों के जीवन पर यश की धरोहर तथा कहानी संग्रह यक्ष प्रश्न लिख साहित्य भंडार को समृद्ध किया। एक रेडियो रूपक भी लिखा-ऐसे तो घर नहीं बनता मम्मी,जो बहुत चर्चित और लोकप्रिय हुआ। संगठन गढ़ने में कुशल, अचूक निशानेबाज एवं क्रांतिकारियों में कुठे गुंतला नाम से सम्बोधित क्रांतिवीर डॉ. भगवान दास माहौर ने 12 मार्च, 1979 को अपनी अंतिम सांस अपने आदर्श के चरणों में समर्पित कर दी। उनकी एक काव्य पंक्ति- मेरे शोणित की लाली से कुछ तो लाल धरा होगी,से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं। जन्मभूमि बड़ौनी गांव में भगवान दास माहौर की प्रतिमा देशभक्ति का संचार करती रहेगी।

# भारत इजराइल गठबंधन,भारत की शांति प्रयासों की नई भूमिका

**भारत-इजराइल की अटूट मित्रता,भारत के प्रधानमंत्री की दूसरी इजरायल यात्रा भारत के शांति प्रयासों की एक नई भूमिका तय करेगा...**

संजीव ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

इजरायली संसद में प्रधानमंत्री ने संबोधन में कहा आतंकवाद किसी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा एवं उग्रवाद एवं आतंकवाद हर स्तर पर गलत है। इसराइल के प्रधानमंत्री ने भारत को एक अभिन्न मित्र एवं सहयोगी बताया उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना भाई मित्र और हितेषी भी निरूपित किया है। भारत के प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा पर दुनिया के हर देश की नजर लगी हुई है। इजरायली संसद में संबोधन के बाद प्रधानमंत्री को वहां ऐतिहासिक तौर पर सम्मानित भी किया गया। प्रधानमंत्री की इस यात्रा में भारत इजरायली संबंधों का एक नए युग का सूत्रपात किया है। भारत इजराइल के सहयोग से एक सुरक्षात्मक आयरन डोम बनाने की तकनीक भारत में तैयार करेगा। जिससे भारत और भी सुरक्षित एवं मजबूत होगा और भारत अपनी रक्षात्मक प्रणाली की नई तैयारी करने में सक्षम हो सकेगा।

भारत हमेशा से शांति सद्भावना और सौहाद्र का सर्वकालिक समर्थक रहा है। भारत ने रूस यूक्रेन युद्ध मैं शांति प्रयासों की हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाई है। युद्ध में भारत की तरफ से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं कि युद्ध विराम हो जाए और इसके लिए भारत में अथक प्रयास भी किए हैं ,यह अलग बात है कि विस्तारवादी दृष्टिकोण को लेकर पुतिन और जेलेन्सकी अजीब सी राजनीतिक और कूटनीतिक परिस्थितियों में एक दूसरे के सामने खड़े तथा अड़े है । अब इजराइल हमास युद्ध में भारत की नीति स्पष्ट रूप से आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद के विरोध में रही है। भारत ने आतंकवादी संगठन हमास, हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद का खुलकर विरोध किया है पर दूसरी तरफ इजरायल की बमबारी से घायल हुए पिलिस्तिनी नागरिकों के लिए 38 टन खाद्य सामग्री दवाएं और आवश्यक वस्तुएं तत्काल मुहैया कराई है। भारत के संबंध अरब देशों के साथ-साथ यूरोप, अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस और नाटो देशों से भी मधुर हैं इन परिस्थितियों में अरब देश भारत के प्रति युद्ध विराम की संभावनाओं की तलाश में भारतीय पहल का इंतजार कर रहा है। पूर्व में भी भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में जॉर्डन के शांति प्रस्ताव में वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया,120 देशों के मतों से प्रस्ताव पारित हो गया,45 देशों ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। चूंकि जॉर्डन हमास को उग्रवादी संगठन नहीं मानता और भारत हमास को कट्टर उग्रवादी मानने की नीति पर चल रहा है। अब भारत को आगे बढ़कर पूरे विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है। भारतवर्ष अर्वाचीन काल से अहिंसा का पुजारी रहा है7 पुरातन काल से ही

राजा,महाराजा और सम्राटों ने अपने राज्य कार्य में हिंसा को कभी प्रथम पंक्ति में महत्त्व नहीं दिया था 7तथा विस्तार वाली नीतियों में भी सेना प्रयास करती रही की आक्रमण के दौरान कम से कम सैनिक हताहत हो। ऑपरेशन सिंदूर में भी पाकिस्तान के सैनिक ठिकानों पर ही हमला किया गया ताकि कम से कम नागरिक हताहत हों और भारत में ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान की गुहार तथा निवेदन पर तत्काल रोक दिया था फलस्वरूप कॉल स्वरूप दोनों देशों के काम से कम नागरिक जख्मी तथा मृत हुये।

प्राचीन काल में भी राजा, महाराजा तथा सम्राटो ने सदैव अहिंसा के पुजारी बनकर ही राजकाज किया था। पहले से आक्रमण न करने की नीति तथा अहिंसा वादी नीति के कारण भारत पहले मुगलों का तथा बाद में अंग्रेजों का गुलाम हो गया था। इसके उपरांत बहुत संघर्ष तथा मेहनत के बाद 1947 में भारत को आजादी मिली7 और इसके उपरांत भारत लगातार अहिंसा परमो धर्म की नीति पर अपने कदम बढ़ाता रहा है। कुछेक उदाहरण को छोड़ दिया जाए जैसे पाकिस्तान द्वारा लगातार भारत पर आक्रमण करने से भारत ने मुंह तोड़ जवाब भी दिया। और इसी के परिणाम स्वरूप बांग्लादेश का जन्म भी हुआ। पर इस घटना में भी भारत की वैश्विक स्तर पर शांतिदूत की भूमिका ही रही। भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि एक शांति के संप्रभुता वाले गणतांत्रिक लोकतंत्र की रही। भारत ने ऐतिहासिक तौर पर कभी किसी राष्ट्र पर अपनी तरफ से आक्रमण हमला नहीं किया। और यही कारण है की संयुक्त राष्ट्र संघ के 75 वर्ष के निर्माण काल के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ हमेशा शांति प्रयासों में भारत की सहायता लेता रहा है और भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ के साथ वैश्विक स्तर पर शांति प्रयासों में योगदान की महत्वपूर्ण रहा है। भारत की स्वतंत्रता के बाद मोदी सरकार ने भी वसुधैव कुटुंबकम की नीति का परिचालन कर विश्व को संदेश दे दिया है की भारत गांधी का देश है बुध और विवेकानंद का देश है। वह अपने साथ विश्व में भी शांति और सौहार्द्र बनाए रखना चाहता है। और इसी कार्यक्रम में 26 सितंबर 2020 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना दिवस की 77 वीं वर्षगांठ के अवसर पर आभासी आयोजन में हिंदी में संभाषण किया था। यह उनकी संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा को संबोधित करने का हिंदी में तीसरा अवसर था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्रसंघ के द्वारा किए जा रहे शांति प्रयासों में अपनी भूमिका का स्मरण दिलाया। उन्होंने कहा की भारत विभिन्न समय में संयुक्त राष्ट्र संघ से कंधे से कंधा मिलाकर शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। इसके साथ ही उन्होंने संयुक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद के लोकतांत्रिक होने के प्रयासों में अपना दावा भी पेश किया था। यह उल्लेखनीय है की भारत में संयुक्त राष्ट्र संघ की सभी शांति प्रयास की योजनाओं तथा अभियान में अपनी सशक्त जिम्मेदारी निभाते हुए अपना सहयोग तथा शांति सेना हेतु अपनी सेनाओं को भेजकर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी धर्म तथा संविधान तथा घोषणा पत्र मैं शांति प्रयासों के लिए सेना को भेजने का कहीं उल्लेख नहीं है किंतु विश्व के कई युद्ध रत तथा मुसीबत में पड़े राष्ट्रों को जहां गृह युद्ध जैसी स्थिति बनी है। वहां भारतीय गणतंत्र ने अपनी सेनाएं भेज कर हजारों लाखों मानव की रक्षा कर,मानव जाति की सेवा की है और अवांछित युद्ध जैसी स्थिति पर अपनी सेनाओं द्वारा नियंत्रण स्थापित किया है। इस बात को संयुक्त राष्ट्र संघ अलग-अलग महासभा में स्वीकार भी करता है। अब तक भारत ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा आहूत शांति प्रयासों तथा शांति निर्वहन संक्रियाओं का समर्थन कर रचनात्मक सहयोग हर संभव किया है। भारत ने संयुक्त राष्ट्रसंघ के आव्हान पर कोरिया, वियतनाम, लागोस, मिस्त्र, सीरिया, लाइबेरिया,युगोस्लाविया, नामीबिया, सोमालिया,सूडान सहित अनगिनत देशों में अपनी सेनाएं वहां पर शांति बहाली हेतु अलग-अलग समय में उपलब्ध करवाई थी।

भारत द्वारा विश्व शांति की स्थापना की दिशा में संयुक्त राष्ट संघ शांति अभियानों में अनथक एवं बहुत बड़ा सहयोग किया है7 उन्होंने कई देशों के मध्य पर्यवेक्षक की भूमिका भी सफलतापूर्वक निभाई है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत को शांति निरीक्षण आयोगों, समितियों तथा अंतरिम विश्वास बहाली कार्यक्रमों में बतौर सदस्य नामित भी किया है। इस भूमिका को भी भारत ने बहुत सफलतापूर्वक निर्वहन किया है, वैसे भी भारत की विदेश नीति सदैव वैश्विक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का प्रबल पक्षधर रही है। इसीलिए भारत सरकार ने न सिर्फ संयुक्त राष्ट्र संघ के शांति बहाल अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है बल्कि विश्व के अनेक तनावग्रस्त संकटग्रस्त एवं युद्ध देशों के मध्य अपनी कूटनीतिक राजनैतिक भूमिका भी कर्मठता से निभाई है। संयुक्त राष्ट्र संघ बहुत महत्वपूर्ण होकर जटिल भी होते हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र संघ की हर भूमिका को बड़े ही शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में निपटाने का कार्य बखूबी निभाया है। और भारत राष्ट्र जिस तरीके से आत्मनिर्भर होकर विदेश की सरकारों से अपने संबंध स्थापित किए हैं, उससे यह दिन दूर नहीं जब भारत को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में स्थाई सदस्य बनाकर,वैश्विक शांति के लिए शांतिदूत का दर्जा दिया जाएगा।

# फागुन तिहार प्रकृति अउ संस्कृति के वरदान आवय

लक्ष्मी नारायण सेन
गरियाबंद, छत्तीसगढ़

हमर संस्कृति मा साल के तीन सौ पैंसठ दिन मा कोनो ना कोनो तीज तिहार अउ जयंती आते,जेन्मा जेन ला जानतन ओला बड़ा सुग्घर ढंग ले मनातन। हमर भारतीय संस्कृति हा तीज तिहार के खजाना आवय।कीस्म कीस्म के तिहार आते ओला अलग अलग ढंग ले अलग अलग राज्य मा मनाए जाते। तिहार के खजाना मा एक ठन मोती फागुन के तिहार हावय, फागुन के तिहार ला सुन लइका जवान अउ सियान के मन हा आगर हो जाते।

परमात्मा हा पापी हिर्नाकश्यप राक्षस के नाश करे बर नरसिंह नाथ के अवतार लेते अउ ब्रह्म जी हा हिर्नाकश्यप के बहिनी होलिका ला वरदान मा एक ठन लुगरा देते अउ कहिते बेटी ये हा कोनो कीस्म के आगी ले नइ जरय। होलिका हा ये वरदान के घमंड मा अपने भाई ला कहिते भैय्या तोर लइका ला मारे बर तँय आनी बानी के कई ठन उपाय ला कर डरे तभो ले नइ मरिस ,ता प्रहलाद ला मारे के मोर कर एक ठन सहज उपाय हावय,काय बहिनी कहिते तब होलिका कहिते अभी फागुन के पुन्नी आवत हे, तेमा तँय हा एक ठन लकड़ी के ढेर बनाबे जेन्मा,मँय हा प्रहलाद ला अपन कोरा मा बिठाके बइठ हूं तेकर बाद मा ओ लकड़ी के ढेर मा आगी ला

लगा देबे जेन्मा प्रहलाद हा जर के राख हो जहि,अउ मँय हा वरदान के प्रभाव ले जिंदा बॉच जहूँ,अतका बात ला सुन हिर्नाकश्यप हा होलिका के केहे अनुसार फागुन पुन्नी मा लकड़ी के ढेर के व्यवस्था करते। पुन्नी के दिन होलिका हा अपन भतिजा प्रहलाद ला कोरा मा ले लकड़ी के ढेर मा बइठ जते,अब ये ढेर मा आगी ला ढील देते,अउ जस जस लकड़ी हा सिपचथे तस तस ऑच हा बढ़त जते,अउ कुछ देर मा होलिका हा जर के राख हो जते आखिरी मा प्रहलाद हा राम राम कहत जिंदा निकलथे।

होलिका दहन हा हम जम्मो ला सीखाते की काभु पुन्य अउ सत्य ला कोनो कीस्म के आगी हा नइ जला सकय अउ पाप,बुराई ला कोनो बचा नइ सकय।

फागुन तिहार प्रकृति अउ हमर संस्कृति के एक ठन अद्भुत रचना आवय।साल भर मा हमर व्यवहार ले कोनों मयारू बन जाते ता कोनों बैरी।ये फागुन तिहार हा हमला एक ठन मौका देते की साल के आखिरी बेरा मा हमन,अपन व्यवहार ला सुधारन अउ मन मा उपजय सुवारथ राग द्वेष बैरीपन अउ बुराई के होली जलावन अउ जम्मो ला अपन मीत बनावन,संग मा अपन हित प्रीति अउ मीत मिल के नवा बछर के स्वागत करन,अउ सब मिल के उन्नति विकास के नवा रद्दा गढ़न।

# हे मॉडर्न महारानी...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

नमस्कार है हे मॉडर्न महारानी! आप इस डिजिटल संसार के उस डेटा पैक की तरह हैं जिसके खत्म होते ही पुरुष का सारा सिस्टम हैंग हो जाता है। लोग कहते हैं कि विवाह एक बंधन है पर हम तो कहते हैं कि यह वह परमानेंट जेल है जिसमें कैदी खुद ही मिठाई के डिब्बे लेकर दाखिला लेने पहुंचता है। पुराने जमाने में पाणिनि ने आपके यज्ञ-संयोग की महिमा गाई थी,पर आज का शास्त्र तो कहता है कि बिना वाइफ के वाई-फाई का पासवर्ड तक नसीब नहीं होता। यज्ञ-दान तो छोड़िए,बिना आपकी अनुमति के तो पुरुष अपनी फेसबुक प्रोफाइल पर फीलिंग हैप्पी तक लिखने का साहस नहीं जुटा पाता।

शास्त्रीय विधान था कि बिना गृहस्थ हुए मोक्ष नहीं मिलता। आज का विधान यह है कि बिना गृहस्थ हुए आदमी को बैंक से होम लोन नहीं मिलता। जो लोग देश सुधारने का बीड़ा उठाए टीवी डिबेट्स में दहाड़ते हैं,वे भी घर की दहलीज पार करते ही ऐसे म्यूट हो जाते हैं जैसे किसी ने रिमोट का बटन दबा दिया हो। उनकी वीरता का सारा तेल आपकी एक तिरछी चितवन में निकल जाता है। धन्य है वह पत्नी-भक्ति, जो एक शेर को भी सर्कस का शेर बना देती है जो केवल रिंग मास्टर की सीटी (यानी बेलन की खनक) पर ही करतब दिखाता है।

हे आदि रस की स्वामिनी! आज के शूरवीर साहबान, जो ऑफिस में फाइलों के ढेर पर बैठकर मुल्क का इंतजाम करने की चतुराई दिखाते हैं, वे आपके सामने आते ही ऐसे सरेंडर होते हैं जैसे कोई आउटडेटेड सॉफ्टवेयर। जो साहब बड़े-बड़े घोटालों को पी जाते हैं, वे एक साधारण-सी सेल या शॉपिंग की लिस्ट देखकर कर्ज में ऐसे डूबते हैं जैसे टाइटैनिक। औसत दर्जे की तनख्वाह पाने वाला बाबू महीने की दस तारीख तक आपके चरणों में अपनी सारी अर्थव्यवस्था समर्पित कर खुद फकीर बना घूमता है, पर मजाल है कि आपके चेहरे की चमक में एक प्रतिशत की भी गिरावट आए!

जिस घर में आप मुस्कुराती हैं, वहां क्रेडिट कार्ड की लिमिट भले ही खत्म हो जाए,पर खुशियां कैशबैक की तरह बरसती रहती हैं। और जहां आपने अपना रौद्र रूप धारण किया,वहां साक्षात यमराज भी बिना अपॉइंटमेंट के आने से डरते हैं। पुराने कवियों ने आपको दासी, मित्र और गुरु कहा था,आज के कवि आपको होम मिनिस्ट्री,सुप्रीम कोर्ट और फाइनेंस डिपार्टमेंट का कॉम्बो पैक मानते हैं। गजगामिनी और कोकिल-वचनी होना तो पुरानी बातें हैं, आज की पत्नी तो वह स्मार्टफोन है जिसका फ्रंट कैमरा पति की हर हरकत पर फेस अनलॉक लगाए बैठा है।

भर्तृहरि ने कहा था कि या तो सुंदर नारी मिले या गुफा। आज के युग में तो सुंदर नारी ही वह गुफा है जिसमें घुसने के बाद बाहर निकलने का रास्ता गूगल मैप भी नहीं बता पाता। जो वनिता-भक्त हर समय महारानी के मुख की छवि निरखता हुआ ऑफिस से छुट्टी मारता है, वह भले ही दरिद्र हो जाए, पर मानसिक शांति का वह उच्च स्तर प्राप्त कर लेता है जिसे पाने के लिए ऋषि-मुनि हिमालय पर भी ठंड में ठिठुरते रह गए। अंत में यही फल-स्तुति है कि जो सब काम छो कर पत्नी की रील लाइक करता है, वही इस कलयुग का असली परमवीर है। बाकी सब तो केवल यूजर हैं, एडमिन तो आप ही हैं!

# तुम पर ही फ़िदा हूँ...

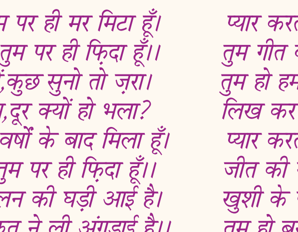

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,छत्तीसगढ़

*मैं तुम्हें चाहता हूँ,तुम पर ही मर मिटा हूँ।*
*प्यार करता हूँ तुझे, तुम पर ही फ़िदा हूँ।।*
*धड़कनें कह रही हैं,कुछ सुनो तो ज़रा।*
*पास आओ ना तुम,दूर क्यों हो भला?*
*मन की बातें बता दूँ,वर्षों के बाद मिला हूँ।*
*प्यार करता हूँ तुझे,तुम पर ही फ़िदा हूँ।।*
*पास-पास हम हैं,मिलन की घड़ी आई है।*
*रंग-बिरंगे बाग दिखे,रुत ने ली अंगड़ाई है।।*
*खुशबू बिखेर दो ना,कुसुम बन खिला हूँ।*
*प्यार करता हूँ तुझे,तुम पर ही फ़िदा हूँ।।*

*तुम गीत बन जाओ,मैं संगीत बन जाऊँ।*
*तुम हो हमजोली,मैं कविमीत बन जाऊँ।।*
*लिख कर कविता,कल्पनाओं से घिरा हूँ।*
*प्यार करता हूँ तुझे,तुम पर ही फ़िदा हूँ।।*
*जीत की राहें,फैलाती हैं बाँहें,आ भी जा।*
*खुशी के पल,ना जाए ढल,मान भी जा।।*
*तुम हो बसंत बहार,मैं बदलती फ़िज़ा हूँ।*
*प्यार करता हूँ तुझे,तुम पर ही फ़िदा हूँ।।*

**सूचना**

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

# गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में प्रशासनिक सर्जरी

## पीसीसीएफ की सख्ती के बाद कोरिया-मनेन्द्रगढ़ वन मंडलों में बड़ा फेरबदल,8 वर्षों का 'एकछत्र' दौर समाप्त

- कोरिया के जंगलों में सख्ती की बयारः जवाबदेही के आगे नहीं चला रसूख
- टाइगर रिजर्व में प्रशासनिक सर्जरी,वर्षों से जमी जड़ता पर गिरी गाज...
- वन अमले में बड़ा बदलाव : डिप्टी रेंजरों का दौर खत्म,नियमित रेंजरों की वापसी...
- कोरिया-मनेन्द्रगढ़ वन मंडलों में व्यापक तबादले,8 साल का 'एकछत्र' राज समाप्त
- पीसीसीएफ के दौरे के बाद हिला वन विभाग, कई परिक्षेत्रों में नई कमान...
- वन विभाग में 'शुद्धिकरण अभियान': टाइगर रिजर्व से बहरासी तक बड़ी हलचल
- प्रशासनिक कसावट की नई इबारत, जंगलों में बदली कमान और कार्य संस्कृति

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,26 फरवरी 2026
घटती-घटना)।
प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता से समृद्ध कोरिया,मनेन्द्रगढ़ और टाइगर रिजर्व क्षेत्र के जंगल इन दिनों प्रशासनिक हलचल के केंद्र में हैं,17 फरवरी को पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख श्रीनिवास राव के दौरे और संयुक्त समीक्षा बैठक के बाद वन विभाग में जिस व्यापक स्तर पर फेरबदल हुआ है,उसने वर्षों से जमी जड़ता और कथित 'प्रभाव तंत्र' को चुनौती दी है,यह बदलाव केवल स्थानांतरण आदेश नहीं,बल्कि वन प्रबंधन की संरचना में सुधार और जवाबदेही तय करने की दिशा में उठाया गया एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

**समीक्षा बैठक में खुली व्यवस्थागत खामियां**-सूत्रों के अनुसार,समीक्षा के दौरान यह गंभीर तथ्य सामने आया कि कई महत्वपूर्ण वन परिक्षेत्रों में नियमित रेंजर उपलब्ध होने के बावजूद डिप्टी रेंजर वर्षों से प्रभार संभाले हुए थे,यह स्थिति प्रशासनिक दृष्टि से न केवल असामान्य थी,बल्कि फील्ड मॉनिटरिंग और निर्णय प्रक्रिया में असंतुलन भी पैदा कर रही थी,वरिष्ठ अधिकारियों ने इसे 'व्यवस्था का विकृतिकरण' मानते हुए तत्काल सुधार की आवश्यकता बताई,पीसीसीएफ ने स्पष्ट संकेत दिए कि अब पद और दायित्व में संतुलन सुनिश्चित किया जाएगा तथा नियमों से इतर किसी प्रकार की व्यवस्था को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**कोरिया वन मंडल :नई कमान,नई उम्मीद**-कोरिया वन मंडल में सेवानिवृत्ति के कारण रिक्त हुए पदों को भरते हुए संतोष कुमार पी. तिवारी को रेंजर का दायित्व सौंपा गया है, सोनहत परिक्षेत्र में अनिल कुमार को जिम्मेदारी दी गई है,जबकि देवगढ़ में उमेश कुमार पैकरा को नई कमान मिली है,इन नियुक्तियों को क्षेत्रीय स्तर पर संतुलन और निगरानी मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है,स्थानीय सूत्रों का कहना है कि लंबे समय से कुछ परिक्षेत्रों में कार्यप्रणाली को लेकर शिकायतें मिल रही थीं,ऐसे में यह फेरबदल फील्ड स्तर पर पारदर्शिता लाने की कोशिश है।

**मनेन्द्रगढ़ वन मंडल : व्यापक पुनर्संरचना**-मनेन्द्रगढ़ वन मंडल में भी लगभग एक दर्जन परिक्षेत्रों में नए रेंजरों की पदस्थापना की गई है, खड़गवां, चिरमिरी और आसपास के क्षेत्रों में हुए बदलावों को विभागीय विश्लेषक 'रणनीतिक पुनर्संतुलन' बता रहे हैं,वन संरक्षण के साथ-साथ अवैध कटाई,खनन और वन भूमि अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए फील्ड अधिकारियों की सक्रियता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है,ऐसे में नई टीम से विभाग को बेहतर परिणाम की अपेक्षा है।

**बहरासी : अपवाद बना परिक्षेत्र**-जहाँ अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक बदलाव हुए, वहीं बहरासी परिक्षेत्र में रेंजर इंद्रभान पटेल की पदस्थापना यथावत बनी रही। आठ वर्षों से अधिक समय से एक ही स्थान पर उनकी तैनाती विभागीय हलकों में चर्चा का विषय रही है,विभिन्न आरोपों और विवादों के बावजूद उनका स्थानांतरण न होना कई प्रश्न खड़े करता है। क्या यह प्रशासनिक विवेक का निर्णय है या फिर किसी विशेष परिस्थिति का परिणाम–यह स्पष्ट नहीं है,हालांकि विभागीय अधिकारी इस विषय पर टिप्पणी से बच रहे हैं।

**टाइगर रिजर्व में 8 वर्षों का 'एकछत्र' दौर समाप्त**-टाइगर रिजर्व क्षेत्र में सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक बदलाव डिप्टी रेंजर महेश टुंडे को हटाकर किया गया है,बताया जाता है कि वे लगभग आठ वर्षों से एक ही स्थान पर प्रभावी भूमिका में थे,रेंजर पद की पात्रता रखने वाले अधिकारियों की उपलब्धता के बावजूद डिप्टी रेंजर का इतने लंबे समय तक कमान संभालना प्रशासनिक असंतुलन माना जा रहा था,अब श्याम प्रताप सिंह को रेंजर के रूप में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है,विभाग को उम्मीद है कि इससे फील्ड स्तर पर अनुशासन,पारदर्शिता और सक्रिय निगरानी को बढ़ावा मिलेगा।

**अन्य परिक्षेत्रों में भी बदलाव**-टाइगर रिजर्व के कर्मजी परिक्षेत्र में सुश्री विभूति राज को नई जिम्मेदारी देकर महिला नेतृत्व को अवसर दिया गया है,वहीं चांदो परिक्षेत्र से वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को बलरामपुर स्थानांतरित किया गया है,इन निर्णयों को विभागीय सूत्र फील्ड मॉनिटरिंग सुदृढ़ करने की व्यापक योजना का हिस्सा बता रहे हैं।

### मार्च का महीना : परीक्षा की घड़ी

यह पूरा फेरबदल ऐसे समय हुआ है जब वित्तीय वर्ष का अंतिम महीना 'मार्च' सामने है, विभागीय योजनाओं का बजट खर्च करना और कार्यों को समय पर पूरा करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होता,नए रेंजरों के सामने अब दोहरी चुनौती है–लंबित योजनाओं को गति देना, वित्तीय अनुशासन बनाए रखना,यदि यह संतुलन साधा गया,तो यह फेरबदल वास्तविक सुधार की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है।

### मीडिया की भूमिका भी चर्चा में...

क्षेत्रीय मीडिया द्वारा लगातार वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए जा रहे प्रश्नों को भी इस प्रशासनिक कार्रवाई के संदर्भ में देखा जा रहा है,कई विश्लेषकों का मानना है कि सार्वजनिक विमर्श और निगरानी ने विभाग को सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रेरित किया,हालांकि विभागीय अधिकारी इसे नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा बता रहे हैं।

### क्या स्थायी होगा बदलाव?

वन प्रबंधन केवल आदेशों से नहीं,बल्कि जमीनी कार्यसंस्कृति से मजबूत होता है,अब यह देखना होगा कि नई टीम अवैध गतिविधियों पर कितना प्रभावी नियंत्रण स्थापित करती है,स्थानीय समुदायों के साथ समन्वय कितना बेहतर बनता है,वन संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा में कितनी ठोस प्रगति होती है,कोरिया और मनेन्द्रगढ़ के जंगलों में फिलहाल प्रशासनिक 'बयार' तेज है,आने वाले महीनों में ही तय होगा कि यह बदलाव स्थायी सुधार की नींव बनेगा या फिर समय के साथ अपनी धार खो देगा।

# मोमिनपुरा-नवागढ़ में पानी सुरक्षित,दूषित सप्लाई की खबरें अफवाह : जितेंद्र सोनी

## मेडिकल कॉलेज व एनएबीएल लैब की जांच रिपोर्ट का हवाला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
शहर के मोमिनपुरा और नवागढ़ क्षेत्र में दूषित पानी सप्लाई के आरोपों को नगर निगम ने सिरे से खारिज किया है। नगर निगम एमआईसी जल प्रदाय प्रभारी जितेंद्र सोनी ने प्रेस बयान जारी कर कहा कि पानी की जांच रिपोर्ट में सभी सैंपल मानक के अनुरूप पाए गए हैं और बीमारी फैलने की आशंका निराधार है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद पर बिना आधार के अफवाह फैलाकर भय का वातावरण बनाने का आरोप लगाया। सोनी ने कहा कि 22 फरवरी को समाचार प्रकाशित होने के बाद निगम अमले ने तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर विभिन्न घरों से नल का पानी एकत्र किया और जांच के लिए मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर तथा सूरजपुर स्थित एनएबीएल लैब भेजा। 23, 24 और 25 फरवरी को नवागढ़, मोमिनपुरा, पर्राडाड, अयान मार्ग, रसूलपुर, बरेज पारा सहित विभिन्न मोहल्लों से 100 एमएल के पानी के सैंपल लिए गए। मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर की रिपोर्ट में सभी सैंपल गुणवत्तायुक्त पाए गए। सूरजपुर एनएबीएल लैब से जांचे गए नौ सैंपल भी मानक स्तर पर सही पाए गए।

**'पीलिया से दो मौत' का दावा गलत :** जितेंद्र सोनी ने पीलिया से दो मौतों के दावे को भी असत्य बताया। उन्होंने सीएमएचओ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि संबंधित व्यक्तियों की मृत्यु अन्य बीमारियों से हुई है,न कि पीलिया से। उन्होंने 42 लोगों के पीलिया पीड़ित होने के बयान का भी खंडन किया। स्वास्थ्य विभाग की जांच के अनुसार अधिकांश मरीज पूर्व में स्वस्थ हो चुके हैं और वर्तमान में केवल पांच लोगों का इलाज चल रहा है। अब तक 100 ब्लड सैंपल की जांच में एक व्यक्ति में पीलिया के लक्षण पाए गए हैं।

**'गंदी राजनीति' का आरोप :** सोनी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह शहर में पीलिया महामारी और दूषित जल सप्लाई की अफवाह फैलाकर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान निगम प्रशासन विकास कार्यों के साथ जनता की चिंता कर रहा है, जिसे विपक्ष पचा नहीं पा रहा है। साथ ही उन्होंने अमृत जल मिशन के तहत पूर्व कार्यकाल में पाइपलाइन कार्य में अनियमितता और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष को नगरवासियों से माफी मांगनी चाहिए। फिलहाल जांच रिपोर्ट के बाद निगम प्रशासन ने स्थिति को सामान्य बताया है, जबकि राजनीतिक बयानबाजी जारी है।

# ट्रांसफार्मर विवाद पर गुदरी चौक में बवाल...

## अस्पताल के बाहर हंगामा,डॉक्टर की कार में तोड़फ़ोड़,पत्रकार से मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
शहर के गुदरी चौक स्थित लक्ष्मी नारायण हॉस्पिटल के बाहर बुधवार को ट्रांसफार्मर हटाने को लेकर बड़ा हंगामा हो गया। प्रशासनिक आदेश के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से स्थानीय लोग भड़क उठे। सुबह शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन शाम तक गहमागहमी और मारपीट में बदल गया। आक्रोशित लोगों के दबाव के बाद विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और एहतियातन ट्रांसफार्मर की बिजली लाइन काट दी। हालांकि तब तक स्थिति काफी तनावपूर्ण हो चुकी थी।

**डॉक्टर की कार में तोड़फ़ोड़, चिकित्सक से भी मारपीट :** प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,विवाद के दौरान अस्पताल के एक डॉक्टर की कार में तोड़फ़ोड़ की गई। इतना ही नहीं,अस्पताल के एक चिकित्सक के साथ भी मारपीट की गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है,जिसमें कुछ लोग कार में तोड़फ़ोड़ और धक्का-मुक्की करते नजर आ रहे हैं।

**कवरेज कर रहे पत्रकार पर हमला :** हंगामे के बीच कवरेज कर रहे एक स्थानीय पत्रकार के साथ भी मारपीट की गई। वीडियो में पत्रकार के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई स्पष्ट दिखाई दे रही है। इस घटना से मीडिया जगत में आक्रोश फैल गया।

**पुलिस पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप :** घटना के दौरान कोतवाली प्रभारी सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद था। बावजूद इसके,मारपीट और तोड़फ़ोड़ की घटनाओं को रोकने में पुलिस नाकाम रही। लोगों ने पुलिस पर मूकदर्शक बने रहने का आरोप लगाया। सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे। शाम करीब 5 बजे तक अस्पताल के बाहर तनाव की स्थिति बनी रही।

**पत्रकारों का थाने के सामने धरना :** पत्रकार से मारपीट के विरोध में जिले के मीडिया कर्मी कोतवाली थाना पहुंच गए। थाने के सामने धरने पर बैठकर नारेबाजी की गई और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई।

**कांग्रेस नेताओं ने दिया समर्थन :** घटना की जानकारी मिलते ही एआईसीसी सदस्य आदित्येश्वर शरण सिंह देव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक और नगर निगम नेता प्रतिपक्ष सफी अहमद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता कोतवाली पहुंचे। नेताओं ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शहर की कानून व्यवस्था चरमरा गई है और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस से तत्काल कार्रवाई कर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। फिलहाल मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस जांच में जुटी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। शहर में स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

# अंतर डाइट,बीटीआई क्षेत्रीय प्रतियोगिता का शुभारंभ...अंतर क्षेत्रीय प्रतियोगिता में आठ डाइट एवं बीटीआई के छात्राध्यापक भाग ले रहे भाग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,26 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) अंबिकापुर में गुरुवार को अंतर डाइट/बीटीआई क्षेत्रीय प्रतियोगिता 2025-26 का शुभारंभ हुआ।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता का उद्घाटन डाइट परिसर में किया गया। प्रतियोगिता में उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर के अंतर्गत आने वाले आठ डाइट एवं बीटीआई के छात्राध्यापक भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में डाइट अंबिकापुर, बीटीआई बिलासपुर, डाइट धरमजयगढ़,जांजगीर,कोरबा,कोरिया एवं पेंड्रा सहित विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी अपने-अपने कोच के साथ शामिल हुए हैं। आयोजन में साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेलकूद एवं अकादमिक विधाओं की कुल 27 प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। साहित्यिक विधा

में वाद-विवाद और तात्कालिक भाषण,सांस्कृतिक विधा में एकल व समूह नृत्य,नृत्य-नाटिका, फैंसी ड्रेस और एकल अभिनय शामिल हैं। खेलकूद में वॉलीबॉल (पुरुष),बैडमिंटन एकल व युगल (महिला-पुरुष),100 व 200 मीटर दौड़, 800 मीटर दौड़, रस्सीकूद,गोला फेंक और लंबी कूद की स्पर्धाएं हो रही हैं। अकादमिक वर्ग में नवाचार, बेस्ट प्रैक्टिसेस,पत्रक वाचन और करा ओके गायन भी शामिल है। उद्घाटन नगर निगम महापौर मंजूषा भगत ने किया।

# एनएच पर बर्थडे पार्टी बनी मुसीबत....

# 2 और आरोपी गिरफ्तार,कुल 9 पहुंचे जेल

## सड़क पर जश्न पड़ा भारी,हाईवे जाम कर आतिशबाजी करने वाले 9 युवक गिरफ्तार

- राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुड़दंग : पुलिस की सख्ती,फरार दो आरोपी भी दबोचे गए...
- हाईवे पर केक और पटाखे,अब हवालात की हवा : लटोरी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

घटती घटना
सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार
अम्बिकापुर, शनिवार 21 फरवरी 2026
4
अम्बिकापुर-बनारस मार्ग बना 'जश्न का मंच',सात आरोपी गिरफ्तार
बर्थडे के नाम पर बीच सड़क आतिशबाजी,यातायात बाधित करने पर पुलिस की सख्त कार्रवाई...

-ओंकार पाण्डेय-

**सूरजपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** राष्ट्रीय राजमार्ग अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर बीच सड़क जन्मदिन मनाना और आतिशबाजी करना कुछ युवकों को भारी पड़ गया,इस मामले में चौकी लटोरी पुलिस ने कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए दो और फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है,अब तक इस प्रकरण में कुल 9 आरोपी पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं। यह पूरा घटनाक्रम 16 फरवरी 2026 की रात का है, जब सोनवाही स्थित आरव रेस्टोरेंट के सामने कुछ युवकों ने एनएच पर ही अपने वाहन खड़े कर जन्मदिन का जश्न मनाना शुरू कर दिया। केक काटने के साथ-साथ आतिशबाजी भी की गई,जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात बाधित हो गया और राहगीरों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

### कैसे हुआ घटनाक्रम?

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,युवकों ने कई चारपहिया वाहन सड़क के बीचों-बीच खड़े कर दिए थे,कुछ युवक सड़क पर ही केक काटते नजर आए,जबकि अन्य आतिशबाजी कर रहे थे। देर रात का समय होने के बावजूद एनएच पर वाहनों की आवाजाही जारी थी,जिससे जाम जैसी स्थिति निर्मित हो गई,कुछ वाहन चालकों ने इस गैर-जिम्मेदाराना कृत्य का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भी साझा किया। मामला पुलिस के संज्ञान में आते ही कार्रवाई शुरू की गई।

### इन धाराओं में दर्ज हुआ अपराध

चौकी लटोरी पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 54/2026 दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 285, 126(2), 287, 288 तथा मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 और 201 के तहत प्रकरण कायम किया,इन धाराओं के तहत सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाहीपूर्वक कार्य कर खतरा उत्पन्न करना, यातायात बाधित करना और खतरनाक तरीके से वाहन चलाना जैसे अपराध शामिल हैं।

### पहले 7 आरोपी हुए थे गिरफ्तार

मामले की जांच के दौरान 20 फरवरी 2026 को पुलिस ने 7 आरोपियों में अमितेश गुप्ता,अंशुल अग्रवाल,प्रथम अग्रवाल,शुभम अग्रवाल,महेश साहू, निखिल रामा और अरुण देवांगन को भी गिरफ्तार किया था,हालांकि, दो आरोपी अभिषेक गुप्ता और अनमोल चौधरी घटना के बाद से फरार थे।

### एसएसपी के निर्देश पर तेज हुई कार्रवाई

**मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशांत कुमार ठाकुर (डीआईजी एवं एसएसपी, सूरजपुर) ने फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए,इसके बाद चौकी लटोरी पुलिस और साइबर सेल की टीम ने संयुक्त रूप से तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर सूचना के आधार पर दबिश दी,पुलिस ने अभिषेक गुप्ता (पिता-विजय गुप्ता),निवासी केनापारा, अनमोल चौधरी (पिता-सुरेन्द्र चौधरी), निवासी अंबिकापुर को पकड़ने में सफलता प्राप्त की।**

### दो वाहन जब्त

**गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से : 1 इनोवा कार,1 किया कार जब्त की गई है,दोनों आरोपियों को 24 फरवरी 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।**

### पुलिस टीम की रही अहम भूमिका

इस पूरी कार्रवाई में चौकी प्रभारी लटोरी अरुण गुप्ता के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी, आरक्षक विकास मिश्रा,संतोष जायसवाल,सुनील एक्का,शोभनाथ कुशवाहा एवं साइबर सेल की टीम की सक्रिय भूमिका रही,पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक मार्ग पर इस प्रकार की लापरवाही से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता था,यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो जानमाल की क्षति से इंकार नहीं किया जा सकता था।

### आमजन के लिए सख्त संदेश

राष्ट्रीय राजमार्ग पर जश्न मनाने की यह घटना कानून व्यवस्था और यातायात सुरक्षा के लिहाज से बेहद गंभीर मानी जा रही है,पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर इस प्रकार का हुड़दंग, स्टंट या आतिशबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी,सूरजपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार का आयोजन निजी परिसर या निर्धारित स्थान पर ही करें तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें, यह कार्रवाई न केवल कानून तोड़ने वालों के खिलाफ चेतावनी है, बल्कि समाज के लिए भी एक संदेश है कि थोड़ी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

# पत्रकार के परिवार पर दबंगों का कहर...घर में घुसकर जानलेवा हमला,सबूत मिटाने के लिए मोबाइल किया फॉर्मेट

### छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ ने एसपी को सौंपा ज्ञापन,निष्पक्ष जांच व तत्काल गिरफ्तारी की मांग...

-संवाददाता-

**सूरजपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** जिले के खड़गवां कला क्षेत्र से एक बेहद गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया है,जहां एक पत्रकार के परिवार पर दबंगों ने घर में घुसकर बर्बर हमला कर दिया,आरोप है कि हमलावरों ने न केवल महिला के साथ बेरहमी से मारपीट की,बल्कि घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर रहे मोबाइल को छीनकर उसे रिसेट कर दिया,ताकि साक्ष्य नष्ट हो जाएं,इस घटना ने पूरे पत्रकारिता जगत में आक्रोश पैदा कर दिया है,मामले को लेकर छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक सूरजपुर को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी,निष्पक्ष जांच और पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

### जमीन विवाद से शुरू हुआ तनाव

प्राप्त जानकारी के अनुसार,यह पूरा मामला जमीन संबंधी विवाद से जुड़ा हुआ है, शिकायत के अनुसार 20 फरवरी की शाम कुछ लोग तारा चक्रधारी,पति वीरेंद्र चक्रधारी,के घर के बाहर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे,पीड़ित परिवार ने तत्काल खड़गवां चौकी में इसकी सूचना दी,परिवार का आरोप है कि पुलिस ने शिकायत के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की,न तो आरोपियों को समझाइश दी गई और न ही कोई प्रभावी कानूनी कदम उठाया गया,स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि उसी समय सख्ती दिखाई जाती, तो अगले दिन की भयावह घटना को रोका जा सकता था।

### अगली सुबह घर में घुसकर किया हमला...

21 फरवरी की सुबह लगभग 10 बजे,कार्रवाई न होने से हौसला बुलंद आरोपियों ने लाठी-डंडों से लैस होकर पीड़ित के घर में घुसकर हमला कर दिया, हमले के दौरान तारा चक्रधारी को बेरहमी से पीटा गया,उनके हाथ और जांघ में गंभीर चोटें आईं,बाल पकड़कर जमीन पर पटका गया,कपड़े फाड़ दिए गए, घर में तोड़फोड़ की गई,प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने महिला के साथ अमानवीय व्यवहार किया और पूरे परिवार को आतंकित करने की कोशिश की।

### पत्रकार पति पर भी बरसाए डंडे...

जब उनके पति वीरेंद्र कुमार चक्रधारी,जो पेशे से पत्रकार हैं और संगठन के प्रतापपुर ब्लॉक अध्यक्ष भी हैं,पत्नी को बचाने के लिए आगे आए,तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की, बताया जा रहा है कि हमलावरों का उद्देश्य केवल मारपीट करना नहीं,बल्कि परिवार को सबक सिखाने और भयभीत करने का था,पत्रकार संगठनों का कहना है कि यह हमला सिर्फ एक परिवार पर नहीं,बल्कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर भी हमला है।

**मोबाइल छीनकर साक्ष्य नष्ट करने का आरोप**-घटना के दौरान जब तारा चक्रधारी मोबाइल से वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं,तो हमलावरों ने इसे देख लिया,आरोप है कि उन्होंने मोबाइल छीन लिया और उसे रिसेट कर दिया,ताकि घटना का कोई डिजिटल प्रमाण शेष न रहे,डिजिटल साक्ष्य को नष्ट करने की यह कोशिश मामले को और अधिक गंभीर बना देती है,यदि यह आरोप सही साबित होता है, तो यह कानून की खुली अवहेलना और न्याय प्रक्रिया में बाधा डालने का मामला भी बनता है।

**पत्रकार संगठन का आक्रोश**-घटना के विरोध में छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के जिला एवं संभागीय पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा,ज्ञापन में कहा गया है कि पत्रकार के परिवार पर हमला लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है,पुलिस की प्रारंभिक लापरवाही से आरोपियों का मनोबल बढ़ा, आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए, पीड़ित परिवार को सुरक्षा दी जाए,मोबाइल डेटा रिकवरी कर डिजिटल साक्ष्य जुटाए जाएं,संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

**भय के साये में जी रहा परिवार**-हमले के बाद से पीड़ित परिवार मानसिक और शारीरिक रूप से आहत है। परिजनों का कहना है कि उन्हें लगातार डर बना हुआ है कि आरोपी फिर से हमला कर सकते हैं,स्थानीय ग्रामीणों में भी दहशत का माहौल है,कई लोगों का कहना है कि क्षेत्र में दबंगों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है और आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

**प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती**-अब यह मामला पुलिस प्रशासन के लिए अग्निपरीक्षा बन गया है,क्या पुलिस निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार करेगी? क्या डिजिटल साक्ष्य की फोरेंसिक जांच कर सच्चाई सामने लाई जाएगी?क्या पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाएगी? ये सवाल अब सिर्फ एक परिवार तक सीमित नहीं रहे, बल्कि पूरे जिले की कानून-व्यवस्था से जुड़ गए हैं।

**लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सवाल**-पत्रकार संगठनों का कहना है कि यदि पत्रकार और उनके परिवार सुरक्षित नहीं हैं,तो यह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के लिए खतरे की घंटी है,इस घटना ने यह भी सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या जमीन विवादों में प्रभावशाली लोगों का दबाव कानून से ऊपर होता जा रहा है?

# 'यादव जी की लव स्टोरी' पर विरोध तेज....सूरजपुर में सर्व यादव समाज का प्रदर्शन,राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-

**सूरजपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** फिल्म यादव जी की लव स्टोरी को लेकर जिले में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। बुधवार को बड़ी संख्या में सर्व यादव समाज के पदाधिकारी और सदस्य कलेक्टर परिसर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए फिल्म पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की। समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि फिल्म में यादव समाज की छवि आपत्तिजनक ढंग से प्रस्तुत की गई है,जिससे समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

**आपत्तिजनक प्रस्तुति का आरोप**-सर्व यादव समाज के जिलाध्यक्ष रमाशंकर यादव और युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष परमेश्वर यादव ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी कर बताया कि फिल्म का निर्माण ओम ठकुरानी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है, उनका आरोप है कि फिल्म के पोस्टर,ट्रेलर और सोशल मीडिया प्रचार सामग्री में यादव समाज को एक विशेष संदर्भ में जिस प्रकार चित्रित किया गया है, वह समाज की गरिमा और सम्मान के प्रतिकूल है,समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी जाति या समुदाय की छवि को नकारात्मक रूप में प्रस्तुत करना स्वीकार्य नहीं है।

**प्रतिष्ठा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं**-ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि यादव समाज ने देश के विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, ऐसे में किसी भी माध्यम से समाज की छवि को ठेस पहुंचाना व्यापक पीड़ा और आक्रोश का कारण बन सकता है, संगठन ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी प्रकार का टकराव उत्पन्न करना नहीं है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और आपसी सम्मान की रक्षा करना है, समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न हिस्सों में समाज के लोगों के बीच असंतोष का माहौल बन रहा है और यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

**फिल्म पर रोक और निष्पक्ष जांच की मांग**-ज्ञापन में निम्न मांगें प्रमुख रूप से रखी गई–फिल्म के प्रदर्शन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए,फिल्म की सामग्री की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराई जाए, केंद्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर मामले का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करे, समाज का कहना है कि किसी भी प्रकार की विवादित सामग्री सामाजिक समरसता को प्रभावित कर सकती है।

# जल संचय-जन भागीदारी से जनजागरूकता की ओर,सूरजपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

-संवाददाता-

**सूरजपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** जल संचय जन भागीदारी अभियान के अंतर्गत डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम तिलसिवां में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, कार्यक्रम में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे,कार्यशाला का उद्देश्य जल संरक्षण,भू-जल प्रबंधन एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जनप्रतिनिधियों को जागरूक करना था,ताकि वे अपने-अपने ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी पहल कर सकें।

**जल संरक्षण समय की सबसे बड़ी आवश्यकता**-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि पहले लोग नदी,नाले,तालाब और कुओं जैसे पारंपरिक जल स्रोतों पर निर्भर रहते थे,लेकिन इन स्रोतों के सूखने और कम होने से भूजल पर निर्भरता बढ़ी है,बोरिंग के बढ़ते चलन और अत्यधिक दोहन के कारण भूजल स्तर लगातार गिर रहा है,उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग करें तथा उसके संरक्षण को प्राथमिकता दें,उन्होंने सरपंचों से अपील की कि वे शासन की जल संरक्षण,मृदा संरक्षण,मृदा परीक्षण एवं सिंचाई प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं की जानकारी लेकर ग्रामवासियों तक पहुंचाएं। साथ ही जल उपलब्धता के अनुरूप फसल चयन एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने पर बल दिया,कार्यक्रम में 'विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन' की भी जानकारी दी गई।

**भू-गर्भ वैज्ञानिकों ने दी तकनीकी जानकारी**-कार्यक्रम में केंद्रीय भू-जल बोर्ड रायपुर से पहुंचे भू-गर्भ वैज्ञानिक बी. अभिषेक एवं साई प्रसन्ना ने 'डेटा आधारित जलभृत प्रबंधन योजना अंतर्गत जल प्रबंधन से लाभकारी खेती' विषय पर विस्तार से जानकारी दी,उन्होंने बताया कि अनियमित वर्षा,गिरते भूजल स्तर और बढ़ती सिंचाई मांग के कारण पारंपरिक जल प्रबंधन पद्धतियां अब पर्याप्त नहीं रह गई हैं। ऐसे में डेटा ड्रिवन वाटर प्लानिंग ही सतत कृषि का प्रभावी समाधान है,वैज्ञानिकों ने निम्न उपायों पर विशेष जोर दिया– चेक डैम एवं परकोलेशन टैंक निर्माण फार्म पॉन्ड विकसित करना, माइक्रो इरिगेशन (ड्रिप एवं स्प्रिंकलर),फसल विविधीकरण, वर्षा जल संचयन एवं रिचार्ज संरचनाएं,जल बजटिंग एवं जलवृत प्रबंधन, उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों के सवालों का वैज्ञानिक तरीके से समाधान भी प्रस्तुत किया।

**कलेक्टर और एसएसपी ने भी दिया मार्गदर्शन**-कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक जल संरक्षण की जानकारी पहुंचाना आवश्यक है, ग्राम पंचायतों में योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग और विभागों के बीच समन्वय से बेहतर सेवा वितरण संभव है, वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने कानून व्यवस्था, साइबर अपराध और सड़क सुरक्षा पर महत्वपूर्ण जानकारी दी, उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं,इसलिए ग्रामीणों को जागरूक करना आवश्यक है,उन्होंने नशामुक्ति अभियान, अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध सहयोग और हेलमेट पहनने के महत्व पर भी जोर दिया। किसी भी अपराध की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 9575770004 पर देने की अपील की गई, जहां शिकायतकर्ता का नाम गोपनीय रखा जाता है।

**विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी**-कार्यक्रम के अंत में 'बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़'बनाने के लिए सभी उपस्थितजनों को शपथ दिलाई गई,कृषि,जल संसाधन,लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, स्वास्थ्य, वन, विद्युत, महिला एवं बाल विकास,उद्यान,आदिवासी विकास एवं मनरेगा विभाग के अधिकारियों ने योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी,इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा राजवाड़े,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति संत सिंह,जिला पंचायत सदस्यगण, सरपंच एवं उपसरपंच,जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

**जनभागीदारी से ही संभव होगा जल संरक्षण**-कार्यशाला में इस बात पर जोर दिया गया कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि जनभागीदारी और सामूहिक प्रयास से ही सफल हो सकता है,यदि ग्राम स्तर पर जल बजटिंग, वर्षा जल संचयन और वैज्ञानिक खेती को अपनाया जाए तो भविष्य में जल संकट से बचा जा सकता है, सूरजपुर में आयोजित यह कार्यशाला जल प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

# शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़: लोक शिक्षण संचालनालय का सख्त आदेश, क्या कोरिया में टूटेगा 'संलग्नीकरण' का मायाजाल?

## शिक्षा व्यवस्था से खिलवाड़: क्या कोरिया में टूटेगा 'संलग्नीकरण' का मायाजाल?

## संलग्नीकरण का जाल या शिक्षा से खिलवाड़? कोरिया में सख्त आदेश के बाद मचा हड़कंप

## लोक शिक्षण संचालनालय का सख्त फरमान: क्या कोरिया में लौटेंगे गुरुजी अपनी मूल शाला?

## वनांचलों में खाली कक्षाएं,मुख्यालय में अटैचमेंट की भीड़...

## शिक्षक कक्षा से दूर,फाइलों के करीब-कोरिया की शिक्षा व्यवस्था सवालों में...

## पदोन्नति मिली,प्रभार नहीं : छात्रावासों में प्रशासनिक उलझन

## संलग्नीकरण पर शासन की सख्ती,क्या टूटेगा स्थानीय 'सिस्टम'?

-रवि सिंह-

**कोरिया,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** छत्तीसगढ़ में चरमराती शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए लोक शिक्षण संचालनालय ने 24 फरवरी को एक बार फिर सख्त निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि गैर-शिक्षकीय कार्यों या अन्य कार्यालयों में संलग्न किए गए सभी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से उनकी मूल शालाओं में वापस भेजा जाए, आदेश की भाषा साफ और कठोर है–शिक्षक का मूल दायित्व अध्यापन है,न कि दफ्तरों में फाइलें संभालना या अन्य प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाना,राज्य स्तर पर जारी इस निर्देश के बाद अब सबकी निगाहें कोरिया जिले पर टिक गई हैं,जहां वर्षों से संलग्नीकरण का एक जटिल तंत्र जड़ें जमाए बैठा है,सवाल उठ रहा है कि क्या इस बार आदेश सचमुच धरातल पर उतरेगा,या फिर पहले की तरह कागजी कार्रवाई तक ही सीमित रह जाएगा?

### जनाक्रोश: 'हमारे बच्चों का भविष्य कौन संभालेगा?'

वनांचलों के ग्रामीणों में इस स्थिति को लेकर गहरा असंतोष व्याप्त है। कई अभिभावकों का कहना है कि उनके बच्चे रोज स्कूल जाते हैं, लेकिन पढ़ाने वाला नियमित शिक्षक नहीं मिलता,एक ग्रामीण अभिभावक का कहना है, सरकार कहती है शिक्षा का अधिकार सबको है, लेकिन हमारे गांव के स्कूल में शिक्षक ही नहीं है,शहर के स्कूलों में अतिरिक्त व्यवस्था है, यहां बच्चों को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है, ग्रामीणों का आरोप है कि संलग्नीकरण की यह व्यवस्था प्रभावशाली लोगों के हित में काम करती है,जबकि दूरस्थ क्षेत्रों के बच्चे उपेक्षित रह जाते हैं। यदि आदेश के बाद भी स्थिति नहीं बदली, तो जनाक्रोश और बढ़ सकता है।

### प्रशासनिक अस्पष्टता और जवाबदेही का संकट

प्रभार न मिलने से कई प्रशासनिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, वित्तीय निर्णय लंबित पड़े हैं,छात्रावास संचालन में पारदर्शिता प्रभावित हो रही है, जिम्मेदारी तय करना कठिन हो गया है,यदि किसी छात्रावास में अनियमितता या वित्तीय गड़बड़ी सामने आती है,तो यह स्पष्ट नहीं हो पाता कि जिम्मेदार कौन है–जॉइनिंग दे चुका पदोन्नत अधीक्षक या पूर्व प्रभारधारी? एक पदोन्नत अधीक्षक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हमने चार महीने पहले जॉइनिंग दे दी है,लेकिन जब तक लिखित में प्रभार नहीं मिलता, हम कोई वित्तीय या प्रशासनिक निर्णय नहीं ले सकते। यह हमारी वरिष्ठता और मनोबल पर सीधा आघात है।

### टालमटोल या संगठित खेल?

लब्जी,तेलीमुड़ा,घुघरा,कटगोड़ी जैसे छात्रावासों में जॉइनिंग के बावजूद प्रभार लंबित होने की चर्चा है,सूत्रों का कहना है कि इसमें केवल प्रशासनिक सुस्ती नहीं, बल्कि एक लंबा 'खेल' हो सकता है,आरोप है कि जिला स्तर पर फाइलों को जानबूझकर रोका जा रहा है या बहाने बनाकर टालमटोल की जा रही है, यदि ऐसा है, तो यह न केवल पदोन्नत कर्मचारियों के अधिकारों का हनन है,बल्कि शासन के आदेशों की अवमानना भी है।

### शिक्षा व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव

संलग्नीकरण और प्रभार विवाद दोनों ही मुद्दे शिक्षा व्यवस्था को सीधे प्रभावित करते हैं,स्कूलों में शिक्षक नहीं होंगे तो गुणवत्ता गिरती है, छात्रावासों में स्पष्ट प्रशासनिक व्यवस्था नहीं होगी तो छात्रों की सुविधाएं प्रभावित होती हैं,कोरिया जिला वनांचल क्षेत्र होने के कारण पहले ही भौगोलिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे में यदि प्रशासनिक स्तर पर भी शिथिलता रहे,तो शिक्षा की स्थिति और कमजोर हो सकती है।

### प्रशासन और विभाग के सामने चुनौती

लोक शिक्षण संचालनालय का ताजा आदेश कोरिया जिले के लिए निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है,यदि जिला प्रशासन सभी संलग्न शिक्षकों की सूची सार्वजनिक करे, उन्हें समयबद्ध तरीके से मूल शाला में भेजे,और पदोन्नत अधीक्षकों को तत्काल प्रभार सौंपे,तो यह शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में ठोस कदम होगा, लेकिन यदि आदेश केवल कागजों में सीमित रह गया,तो यह संदेश जाएगा कि स्थानीय स्तर पर अनौपचारिक व्यवस्थाएं शासन के निर्देशों से अधिक प्रभावी हैं।

### शिक्षा बनाम व्यवस्था का संघर्ष

कोरिया जिले की शिक्षा व्यवस्था इस समय एक दोराहे पर खड़ी है, एक ओर शासन की मंशा है कि स्कूलों में शिक्षक लौटें और व्यवस्था पारदर्शी बने,दूसरी ओर,वर्षों से चली आ रही संलग्नीकरण संस्कृति और प्रशासनिक ढिलाई है,अब यह देखना होगा कि क्या जिला प्रशासन सख्ती दिखाते हुए वनांचलों के स्कूलों को उनका हक दिला पाएगा और पदोन्नत अधीक्षकों को सम्मानपूर्वक प्रभार सौंपेगा,क्योंकि अंततः सवाल केवल आदेशों का नहीं है–सवाल उन बच्चों के भविष्य का है,जो शिक्षा के भरोसे अपना कल संवारना चाहते हैं।

### वनांचलों में शिक्षक संकट: स्कूलों में सन्नाटा,मुख्यालय में भीड़

कोरिया जिले के सोनहत और बैकुंठपुर ब्लॉक के वनांचल क्षेत्रों की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है,दूरस्थ और पहाड़ी इलाकों में संचालित शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं,ग्रामीणों का आरोप है कि यहां पदस्थ अच्छे और अनुभवी शिक्षक विभिन्न 'जुगाड़' और प्रभाव के दम पर जिला मुख्यालय या ब्लॉक मुख्यालय के नजदीकी स्कूलों और कार्यालयों में संलग्न हो जाते हैं,परिणाम यह होता है कि जिन बच्चों के लिए ये शिक्षक नियुक्त किए गए थे,वे बिना नियमित मार्गदर्शन के रह जाते हैं, कई स्कूलों में एक या दो शिक्षकों के भरोसे पूरा संचालन किया जा रहा है। कहीं-कहीं तो अतिथि शिक्षकों या अस्थायी व्यवस्थाओं से काम चलाया जा रहा है,दूसरी ओर, मुख्यालय या शहरी क्षेत्र के स्कूलों में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति दिखाई देती है,यहां शिक्षकों की संख्या अधिक होने के बावजूद संलग्न शिक्षक कार्यालयों में तैनात हैं या नजदीकी संस्थानों में समायोजित हैं,इससे ग्रामीण और शहरी शिक्षा के बीच असमानता और गहरी हो रही है।

### बीईओ और डीईओ कार्यालयों में संलग्नीकरण का खेल

संलग्नीकरण का मुद्दा केवल स्कूलों तक सीमित नहीं है। जानकारी के अनुसार, खंड शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में भी कई शिक्षक गैर-शिक्षकीय कार्यों में लगे हुए हैं, नियम स्पष्ट कहते हैं कि शिक्षक का मूल कार्य अध्यापन है,उन्हें स्थायी रूप से कार्यालयीन दायित्वों में लगाना शिक्षा व्यवस्था के मूल उद्देश्य के विपरीत है, अपवाद स्वरूप अल्पकालिक आवश्यकता में ऐसा किया जा सकता है, लेकिन कोरिया जिले में यह व्यवस्था स्थायी स्वरूप ले चुकी है,सूत्रों के अनुसार कुछ शिक्षक सोनहत से बैकुंठपुर ब्लॉक में, तो कुछ बैकुंठपुर से सोनहत ब्लॉक में संलग्न हैं,कई शिक्षक वर्षों से स्कूल की कक्षा छोड़ कार्यालय में सेवा दे रहे हैं,इससे न केवल विद्यार्थियों को नुकसान हो रहा है,बल्कि शिक्षकीय पेशे की मूल भावना भी प्रभावित हो रही है।

### आदेश बनाम क्रियान्वयन : क्या इस बार फर्क पड़ेगा?

राज्य शासन द्वारा इससे पहले भी संलग्नीकरण समाप्त करने और शिक्षकों को मूल शाला में भेजने के निर्देश जारी किए जाते रहे हैं,लेकिन जिला स्तर पर इन आदेशों का प्रभाव सीमित ही दिखाई देता है,स्थानीय जानकारों का मानना है कि संलग्नीकरण के पीछे एक सिस्टम काम करता है–जिसमें आपसी सांठगांठ,राजनीतिक दबाव और प्रशासनिक लचीलापन शामिल है,आदेश आते हैं,रिपोर्ट तैयार होती है,लेकिन व्यवहार में बहुत कम बदलाव दिखाई देता है,अब जब लोक शिक्षण संचालनालय ने फिर सख्ती दिखाई है, तो कोरिया जिला प्रशासन की परीक्षा है कि वह कितनी गंभीरता से इस आदेश को लागू करता है।

### छात्रावास अधीक्षक प्रकरण : पदोन्नति के बाद भी 'प्रभार' का इंतजार

शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा एक और महत्वपूर्ण मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। कार्यालय आयुक्त,आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग से पदोन्नत होकर छात्रावास अधीक्षक बने कई कर्मचारियों को जॉइनिंग दिए हुए चार माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन उन्हें अब तक संबंधित छात्रावासों का वास्तविक कार्यभार नहीं सौंपा गया है,नियमों के अनुसार पदोन्नति के बाद संबंधित अधिकारी को तत्काल प्रभाव से प्रभार सौंपा जाना चाहिए,लेकिन जिले के कई छात्रावासों में पुराने अधीक्षक या वैकल्पिक व्यवस्था के तहत कार्यरत कर्मचारी चार्ज छोड़ने में देरी कर रहे हैं।

# खड़गवां जनपद में मनरेगा तालाब निर्माण पर सवाल

## जेसीबी से खुदाई का आरोप, सरपंच-पंचों ने की शिकायत

-राजेन्द्र शर्मा-

**खड़गवां (एमसीबी),26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** जनपद पंचायत खड़गवां अंतर्गत ग्राम पंचायत नेवरी बैरडाड में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत स्वीकृत तालाब निर्माण कार्य में कथित अनियमितताओं को लेकर विवाद गहरा गया है,ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पंचों ने रोजगार सहायक पर आरोप लगाया है कि तालाब की खुदाई जेसीबी मशीन से रात में कराई गई, जबकि मस्टर रोल में श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज की गई है, इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) जनपद पंचायत को लिखित शिकायत सौंपी गई है।

### कार्यालय में बैठकर निरीक्षण का आरोप

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि मनरेगा में पदस्थ कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में बैठकर ही ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर रहे हैं,आरोप है कि रोजगार सहायक मनमाने ढंग से कार्य कराता है, सरपंच एवं पंचों से कोई सलाह नहीं ली जाती और ग्रामीणों के जॉब कार्ड भी समय पर नहीं बनाए जा रहे,बैगापारा में कुआं निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद भी कथित रूप से अपने परिवार के नाम पर डिमांड निकालकर हाजिरी लगाने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि योजना का लाभ पात्र मजदूरों तक नहीं पहुंच रहा।

### योजना की मंशा पर प्रश्नचिह्न

मनरेगा का उद्देश्य ग्रामीण मजदूरों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना है,लेकिन यदि तालाब निर्माण कार्य मशीनों से कराया गया है तो यह योजना की मूल भावना के विपरीत है। सरपंच व पंचों का आरोप है कि जेसीबी से खुदाई कराई गई, जबकि कागजों में मजदूरों की उपस्थिति दर्शाई गई है।

### जांच का आश्वासन

मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने शिकायत प्राप्त होने की पुष्टि करते हुए निष्पक्ष जांच कराने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि यदि मशीनों से कार्य कराए जाने की पुष्टि होती है तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, ग्राम पंचायत नेवरी बैरडाड में इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज है। ग्रामीण अब जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मनरेगा में वास्तव में श्रमिकों को रोजगार मिला या मशीनों के सहारे कागजी प्रगति दिखाई गई।

# बतौली में दिव्यांगजन शिविर आयोजित, 104 हितग्राहियों का हुआ पंजीयन

-संवाददाता-

**अंबिकापुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** समाज कल्याण विभाग, सरगुजा द्वारा दिव्यांगजनों के हित में विशेष शिविर का आयोजन जनपद पंचायत बतौली के सभाकक्ष में किया गया। शिविर में कुल 104 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया। शिविर के दौरान विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के आवेदन पत्र वितरित किए गए। उपस्थित दिव्यांगजनों को शासन द्वारा संचालित सहायता, पेंशन एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उप संचालक, समाज कल्याण विभाग सरगुजा श्री व्ही. के. उके ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दिनों में जिले के विभिन्न विकासखण्डों में भी इसी प्रकार के शिविर आयोजित किए जाएंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 मार्च को सीतापुर, 12 मार्च को मैनपाट, 13 मार्च को अंबिकापुर, 17 मार्च को लखनपुर तथा 19 मार्च को उदयपुर जनपद पंचायत मे दिव्यांगजनों हेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। आज आयोजित शिविर में समाज कल्याण विभाग एवं जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे तथा शिविर के सफल संचालन में सक्रिय भूमिका निभाई।


## छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग
## कार्यालय कार्यपालन अभियंता
### कार्यालय कार्यपालन अभियंता,जल संसाधन संभाग,बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0)

**ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना**

eProcurement Portal: http://egeprocurement.gov.in

(द्वितीय आमंत्रण)

निविदा सूचना क्रमांक 06/वलेलि/2025-26, दिनांक 23.02.2026, निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 12.03.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है -

| स.क्र. | सिस्टम निविदा क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत |
|---|---|---|---|
| 1 | 186037 | खर्रा नाला स्टापडेम योजना का निर्माण कार्य | रू.273.20 लाख (Excluding GST) |

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 02.03.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट - निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर
बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार,जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

जी नंबर-252606903/4



**न्यायालय तहसीलदार**
**अम्बिकापुरजिला-सरगुजा,छ0ग0**

रा0प्र0क्र0-/-121/2025-26

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलाल श्रीवास्तव आ बृजभूषण लाल श्रीवास्तव निवासी केदारपुर तिवारी बिल्डिंग के पास अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित खसरा नंबर 2/554 रकबा 0.014 हे0 भूमि को अनावेदक रेनू सिंह पति अमरेश सिंह निवासी मकान नंबर 04 वार्ड नंबर 09 पुलिस कॉलोनी सूरजपुर छ0ग0 के पास अंकन राषि रूपये 4,50,000/- में बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 18.03.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक-09/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)
तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा


# वी.वी .जी राम जी के प्रचार-प्रसार हेतु सुखरी स्कूल में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित

-संवाददाता-

**अंबिकापुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।** विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन के अंतर्गत जिले में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार अभियान संचालित किया जा रहा है। 26 जनवरी से प्रारंभ साप्ताहिक गतिविधियों के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर चौपाल, जनसंवाद कार्यक्रम, कार्यस्थलों पर प्रचार-प्रसार एवं दीवार लेखन जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में ग्राम पंचायत सुखरी अंतर्गत हायर सेकेंडरी स्कूल में अहिंसा से अधिकार तक थीम पर चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से स्कूली बच्चों ने महापुरुषों के जीवन, उनके व्यक्तित्व एवं उनके विचारों को चित्रों और भाषणों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का आयोजन शिक्षक श्री दीपक कुमार प्रधान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थी तनु ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय तथा प्रदीप सिंह और नेहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में जागरूकता के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण की भावना को भी सुदृढ़ करती हैं। कार्यक्रम के माध्यम से विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन के उद्देश्यों का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया गया।


**नाम सुधार सूचना**

इस विलेख भाषा में निम्न हस्ताक्षरकर्ता मै श्रीमती कमली पत्नी बोध सिंह,उम्र लगभग 65 वर्ष निवासी ग्राम कुकुरभुका,थाना व तह0-पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ0ग0) अपने पुत्री देविका भगत (DEVIKA BHAGAT) आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड में उल्लेखित पूर्व नाम दीपिका (DEEPIKA) को परिवर्तिक कर देविका भगत (DEVIKA BHAGAT) किये जाने हेतु मेरी पुत्री दीपिका (DEEPIKA) को उसके नया नाम देविका भगत ( DEVIKA BHAGAT ) के नाम से पुकारे एवं पहचाने जाने हेतु यह ईश्तेहार प्रकाशन नाम परिवर्तन के संबंध में कराया जा रहा है। इसी विलेख की तारीख से मेरी पुत्री को देविका भगत ( DEVIKA BHAGAT ) के नाम से ही जाना जाये व पुकारा जाये तथा पहचाना जावे।

सपथकर्ता
श्रीमती कमली पत्नी बोध सिंह,
निवासी ग्राम कुकुरभुका,
थाना व तह0- पत्थलगांव
जिला- जशपुर (छ0ग0)

# सोनहत के वनांचल में विकास की नई उड़ान

# पैरी नदी पर करोड़ों का पुल अंतिम चरण में

# देवतीडाण्ड में उप-स्वास्थ्य केंद्र तैयार

**सोनहत के वनांचल में विकास की दस्तक : पैरी नदी पर पुल और देवतीडाण्ड में उप-स्वास्थ्य केंद्र तैयार...**

**बरसात में कटने वाला इलाका अब जुड़ेगा सालभर : पैरी नदी पर करोड़ों का पुल अंतिम चरण में...**

**इलाज का 'वनवास' खत्म : देवतीडाण्ड में उप-स्वास्थ्य केंद्र,पैरी नदी पर पुल से बदलेगी तस्वीर...**

**दशकों का इंतजार खत्म : नवाटोला-देवतीडाण्ड मार्ग पर पुल से खुलेगी विकास की राह...**

## वनांचल को मिली दोहरी सौगात: पुल और स्वास्थ्य केंद्र से ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त...

-राजन पाण्डेय-

कोरिया,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। विकासखंड सोनहत के सुदूर वनांचल क्षेत्र के ग्राम नवाटोला और देवतीडाण्ड के ग्रामीणों का वर्षों पुराना सपना अब हकीकत में बदलने जा रहा है,नवाटोला-देवतीडाण्ड मार्ग पर पैरी नदी पर करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित हो रहा बहुप्रतीक्षित पुल अंतिम चरण में है,वहीं देवतीडाण्ड में उप-स्वास्थ्य केंद्र का नवनिर्मित भवन भी लगभग

तैयार हो चुका है। इन दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में आवागमन और स्वास्थ्य सुविधाओं का नया अध्याय शुरू होगा।

### पूर्व विधायक गुलाब कमरो की पहल

इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की स्वीकृति पूर्व विधायक गुलाब कमरो के प्रयासों से मिली थी, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग को ध्यान में रखते हुए उन्होंने तत्कालीन सरकार में इसके लिए विशेष पहल की और करोड़ों रुपये की राशि स्वीकृत कराई,नवाटोला में भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत भी उन्होंने ही कराई थी,पूर्व विधायक कमरो का कहना है कि उनका उद्देश्य वनांचल के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना था, उन्होंने कहा,बरसात में ग्रामीणों की पीड़ा को देखकर मैंने पुल और उप-स्वास्थ्य केंद्र के लिए प्रयास किया। आज जब यह कार्य पूर्णता की ओर है, तो संतोष है कि अब लोगों को उफनती नदी और दूरी से जूझना नहीं पड़ेगा।

### जन सहयोग समिति की प्रतिक्रिया

जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने भी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता जताई, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लंबे समय से मूलभूत सुविधाओं से वंचित था,पुल और स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से विकास की नई राह खुलेगी और क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी।

### बरसात में कट जाता था संपर्क

पैरी नदी पर पुल नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात के मौसम में नवाटोला और देवतीडाण्ड का संपर्क मुख्य मार्ग से टूट जाता था,नदी के उफान पर होने से ग्रामीणों को कई किलोमीटर लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ता था,आपात स्थिति में मरीजों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को अस्पताल पहुंचाना जोखिम भरा साबित होता था। कई बार समय पर इलाज न मिलने से हालात गंभीर हो जाते थे। ग्रामीणों के लिए यह केवल असुविधा नहीं,बल्कि जीवन-मरण का प्रश्न बन जाता था, अब पुल के निर्माण से दोनों गांवों के बीच सालभर सुरक्षित और सीधा संपर्क स्थापित होगा। इससे न केवल आवाजाही सुगम होगी,बल्कि शिक्षा, कृषि और व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

### स्वास्थ्य सुविधाओं की नई शुरुआत

देवतीडाण्ड में उप-स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनकर तैयार है,अब तक ग्रामीणों को प्राथमिक उपचार के लिए भी भैसवार या अन्य दूरस्थ स्वास्थ्य केंद्रों का सहारा लेना पड़ता था,बरसात में नदी पार करना जान जोखिम में डालने जैसा था,उप-स्वास्थ्य केंद्र शुरू होने के बाद ग्रामीणों को टीकाकरण,प्रसव पूर्व जांच,सामान्य उपचार और प्राथमिक चिकित्सा सेवाएं गांव में ही उपलब्ध होंगी। इससे विशेष रूप से महिलाओं,बच्चों और बुजुर्गों को बड़ी राहत मिलेगी।

### ग्रामीणों में उत्साह और उम्मीद

दोनों निर्माण कार्यों के लगभग पूर्ण होने से वनांचल क्षेत्र में उत्साह का माहौल है,ग्रामीणों का कहना है कि पुल बनने से बच्चों की पढ़ाई, किसानों की उपज का परिवहन और मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, स्वास्थ्य केंद्र शुरू होने से इलाज के लिए 'वनवास' खत्म होगा और गांव में ही बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी,सोनहत के इस सुदूर अंचल में यह विकास कार्य केवल अधोसंरचना निर्माण नहीं,बल्कि विश्वास और उम्मीद की नई शुरुआत माना जा रहा है।

# कुदरगढ़ में रोप-वे को बजट में मिली मंजूरी,श्रद्धालुओं को बड़ी राहत

-संवाददाता-

सूरजपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। प्रदेश की छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट में जिला सूरजपुर को एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है, बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ओ पी चौधरी ने जिले के प्रसिद्ध आस्था केंद्र मां बागेश्वरी देवी धाम कुदरगढ़ में रोप-वे निर्माण के लिए विशेष प्रावधान की घोषणा की, इस निर्णय से श्रद्धालुओं एवं पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों में उत्साह का माहौल है।

कुदरगढ़ स्थित मां बागेश्वरी देवी धाम सरगुजा संभाग ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्यों के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। विशेषकर नवरात्रि पर्व के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु कठिन पहाड़ी मार्ग से होकर दर्शन के लिए पहुंचते हैं, रोप-वे सुविधा शुरू होने से बुजुर्ग, दिव्यांग एवं दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी।

### ट्रस्ट ने जताया आभार

मां बागेश्वरी देवी लोक न्यास ट्रस्ट के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय,वित्त मंत्री ओ पी चौधरी तथा क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश की एकमात्र महिला मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया है,उन्होंने कहा कि यह निर्णय न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है,बल्कि इससे कुदरगढ़ धाम को प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में विकसित करने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित होगा।

### रोजगार और पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

ट्रस्ट अध्यक्ष के अनुसार, रोप-वे निर्माण से स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि से होटल, परिवहन, प्रसाद एवं अन्य छोटे व्यवसायों को भी लाभ मिलेगा, जिससे सूरजपुर जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी,स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने भी बजट में किए गए इस प्रावधान का स्वागत करते हुए इसे सूरजपुर जिले के विकास की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है, अब सभी की निगाहें रोप-वे परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन पर टिकी हैं,ताकि आने वाले वर्षों में नवरात्रि पर्व तक श्रद्धालुओं को इस सुविधा का लाभ मिल सके।

# ई-ऑफिस प्रशिक्षण आयोजित, डिजिटल कार्यप्रणाली को मिलेगा बढ़ावा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। शासकीय कार्यप्रणाली को पूर्णतः डिजिटल एवं पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से आज अम्बिकापुर में ई-ऑफिस एवं अन्य शासकीय डिजिटल प्लेटफॉर्म संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ई-ऑफिस प्रणाली के साथ-साथ SPARROW,e-HRMS तथा iGOT विषय के संचालन एवं उपयोग की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान ई-फाइल संचालन,ऑनलाइन पत्राचार,डिजिटल दस्तावेज संधारण,नोटशीट एवं ड्राफ्ट प्रबंधन,वार्षिक गोपनीय प्रतिवेदन, ऑनलाइन प्रविष्टि प्रक्रिया,कार्मिक डाटा प्रबंधन,सेवा पुस्तिका संधारण तथा ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल की जानकारी व्यवहारिक अभ्यास के माध्यम से समझाई गई। मास्टर ट्रेनर द्वारा प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए सभी विभागों को इन पोर्टलों का नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि इन डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं समय बद्धता सुनिश्चित होगी तथा सुशासन को मजबूती मिलेगी।

जिला प्रशासन द्वारा ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने एवं शासकीय सेवाओं को अधिक दक्ष,सरल एवं त्वरित बनाने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।

# मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन के 5 माह बाद भी 6 प्रमुख मांगें अधूरी

**17 हजार से अधिक एनएचएम कर्मचारी विधानसभा घेराव की तैयारी में,प्रशासनिक लेटलतीफी पर बढ़ा रोष**

-संवाददाता-

सूरजपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कर्मचारी एक बार फिर अपनी वर्षों से लंबित मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर हैं, मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा दिए गए आश्वासन को पांच माह बीत जाने के बावजूद कर्मचारियों की छह प्रमुख मांगों पर कोई ठोस आदेश जारी नहीं होने से प्रदेशभर के स्वास्थ्य कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है, संघ पदाधिकारियों ने जानकारी दी है कि आगामी विधानसभा सत्र के दौरान इन मांगों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। साथ ही मांगों के शीघ्र निराकरण के लिए विधानसभा घेराव एवं व्यापक आंदोलन की तैयारी की जा रही है।

### 17,500 कर्मचारी आंदोलन के लिए तैयार

संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अमित मिरी,प्रदेश संरक्षक हेमंत सिन्हा एवं प्रदेश प्रवक्ता पुरन दास ने संयुक्त बयान में कहा कि यदि शीघ्र ही लंबित मांगों पर निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेश के लगभग 17,500 एनएचएम स्वास्थ्य कर्मचारी व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे,उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य सेवा बाधित होने की स्थिति में उसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी,जिलाध्यक्ष बृजलाल पटेल ने शासन से अपील की है कि कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक एवं त्वरित निर्णय लिया जाए,ताकि स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कर्मियों को न्याय मिल सके और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित होती रहें।

### ये हैं कर्मचारियों की प्रमुख 6 मांगें...

- ग्रेड पे प्रदान करना
- चिकित्सा परिचर्या सुविधा उपलब्ध कराना
- अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान
- स्थानांतरण नीति लागू करना
- नई मानव संसाधन नीति लागू करना
- नियमित कर्मचारियों की भांति वेतन खाते के माध्यम से बीमा सुविधा प्रदान करना

संघ का आरोप है कि इन मांगों से संबंधित फाइलें मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री के आश्वासन के बावजूद पिछले पांच माह से प्रशासनिक स्तर पर लंबित पड़ी हैं। कई बार अधिकारियों एवं स्वास्थ्य मंत्री से मुलाकात कर शीघ्र निराकरण का आग्रह किया गया, यहां तक कि मंत्री द्वारा सार्वजनिक मंच से घोषणा भी की गई, किंतु अब तक कोई औपचारिक आदेश जारी नहीं हुआ है।

# एसीबी का बड़ा एक्शन

# 25 हजार रिश्वत लेते चौकी प्रभारी व एएसआई गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरिया,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) अंबिकापुर की टीम ने मंगलवार को बचरापोड़ी पुलिस चौकी में छापा मारकर 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते चौकी प्रभारी अब्दुल मुनाफ और एएसआई जीपी यादव को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है।

### फरार एएसआई सूरजपुर से गिरफ्तार

मामले में संलिप्त एएसआई जीपी यादव कार्रवाई की भनक लगते ही फरार हो गया था, एसीबी टीम ने विशेष सर्चिंग अभियान चलाया और उसे सूरजपुर जिले से पकड़ लिया, दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर न्यायालय में प्रस्तुत करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

### आगे क्या ?

एसीबी की पूछताछ में यदि और नाम सामने आते हैं तो दायरा बढ़ सकता है,फिलहाल दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है,भ्रष्टाचार के खिलाफ यह कार्रवाई स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है।

### प्राकृतिक आपदा को हत्या का मामला बनाने की धमकी

जानकारी के अनुसार,बचरापोड़ी तहसील क्षेत्र के ग्राम कदमबहरा की एक महिला की कुछ माह पूर्व तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि यह प्राकृतिक आपदा का मामला था, लेकिन इसे हत्या का प्रकरण बनाने और जेल भेजने की धमकी देकर पुलिस द्वारा 50 हजार रुपये की मांग की गई,ग्रामीण द्वारा बार-बार विनती करने पर कथित तौर पर सौदा 25 हजार रुपये में तय हुआ। इसके बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत अंबिकापुर एसीबी से की।

### ट्रैप प्लानिंग और रंगे हाथ गिरफ्तारी

शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप तैयार किया। तय तिथि पर प्रार्थी को 25 हजार रुपये लेकर चौकी प्रभारी के पास भेजा गया,जैसे ही रिश्वत की राशि दी गई, एसीबी टीम ने तत्काल बचरापोड़ी पुलिस चौकी में छापा मार दिया। तलाशी के दौरान चौकी प्रभारी अब्दुल मुनाफ की जेब से 25 हजार रुपये बरामद किए गए, मौके पर ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम आरोपी को बैकुंठपुर लेकर पहुंची, जहां पूछताछ और वैधानिक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई।

**पुलिस महकमे पर सवाल,इस कार्रवाई ने कई सवाल खड़े कर दिए है...**

**क्या प्राकृतिक आपदा के मामलों में भी दबाव और वसूली का खेल चल रहा था?**

**क्या अन्य मामलों में भी इसी प्रकार की शिकायतें सामने आ सकती हैं?**

**क्या विभागीय स्तर पर भी अलग से जांच होगी? एसीबी की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है...**

## हिंदी सिनेमा में कई डायरेक्टर्स रहे हैं,जिन्होंने पर्दे पर कमाल की फिल्में बनाईं...

# एक डायरेक्टर ऐसे ही रहे,जिन्होंने अमिताभ बच्चन का करियर संवारा

एक अभिनेता के करियर में फिल्ममेकर का बहुत बड़ा होता है। अगर फिल्ममेकर अच्छा है तो हीरो की किस्मत चमक ही जाती है। एक डायरेक्टर जब फिल्म को अच्छा बनाकर पर्दे पर पेश करता है तो तारीफ हीरो के साथ बाकी सभी की होती है। हिंदी सिनेमा में एक डायरेक्टर ऐसा भी रहा, जिसने महज 23 फिल्में बनाईं, और उसमें से 15 फिल्में हिट रहीं। ये वही डायरेक्टर है जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को संवारा और 7 ब्लॉरबस्टर फिल्में दीं। आइए जानते हैं उसी फिल्ममेकर की कहानी...

### फिल्मों के किंग बन गए थे मनमोहन देसाई

यह फिल्ममेकर कोई और नहीं बल्कि मनमोहन देसाई थे। मनमोहन देसाई का जन्म 26 फरवरी 1937 को मुंबई में हुआ था। गुजराती परिवार में जन्में मनमोहन के पिता कीकूभाई भी एक फिल्म निर्माता थे। साल 1931 में पैरामाउंट फिल्म स्टूडियो की स्थापना की थी, जिसमें कई फिल्में बनी थीं।
हालांकि मनमोहन जब सिर्फ 4 साल के थे,तभी उनके पिता का निधन हो गया था। उनके ऊपर कर्ज भी था,जैसे तैसे करके चीजें ठीक हुईं और फिर बड़े भाई की मदद से मनमोहन देसाई फिल्मों में आ गए। कई सालों तक उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया और फिर आखिरकार उन्होंने 20 साल की उम्र में उन्होंने फिल्म बनाई।

### पहली फिल्म में राज कपूर-नूतन संग किया काम

मनमोहन देसाई को पता था कि उन्हें अपने जीवन में क्या करना है। पिता का कर्ज चुकने के बाद और जिम्मेदारियां संभलाने के बाद वो फिल्मों में आ गए और कम उम्र में ही डायरेक्टर भी बन गए।
आखिरकार 1960 में आई फिल्म छलिया ने उन्हें बड़ा ब्रेक दिया। फिल्म में राज कपूर और नूतन मुख्य भूमिका में थे। महज 20-22 साल के मनमोहन देसाई ने जब फिल्म का पहला गाना शूट किया तो उनका काम देखकर राज कपूर भी दंग रह गए और आखिरकार पूरी फिल्म शूट हुई और फिल्म के गाने काफी पसंद किए गए। इसके बाद उन्होंने शम्मी कपूर के साथ ब्लफमास्टर,राजेश खन्ना के साथ सच्चा झूठा और रोटी,रणधीर कपूर के साथ रामपुर का लक्ष्मण और जीतेंद्र के साथ भाई हो तो ऐसा जैसी सुपरहिट फिल्में बनाईं।

### एक साल में दीं 4 हिट फिल्में

मनमोहन देसाई के जीवन में अभी ब्लॉकबस्टर फिल्मों का मेला लगना बाकी था और आखिरकार उनके करियर की हिट फिल्मों की घंटी बजी फिल्म अमर,अकबर, एंथनी से। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन,ऋषि कपूर और विनोद खन्ना नजर आए और फिल्म सुपरहिट रही। 1977 में मनमोहन देसाई की एक के बाद एक चार फिल्में रिलीज हुईं और ये सभी ब्लॉकबस्टर थीं। ये चार फिल्में थीं,परवरिश,धरम वीर,चाचा भतीजा और अमर अकबर एंथनी थीं। अमिताभ के साथ उनकी पहली फिल्म यही थी जो कि चल पड़ी।

### अमिताभ के साथ खूब हिट रही जोड़ी

अमिताभ बच्चन के साथ देसाई की जोड़ी खूब हिट रही। दोनों पहले ही एक फिल्म में काम कर चुके थे। इसके बाद अमिताभ के साथ उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। ये फिल्म हिट नहीं ब्लॉकबस्टर रहीं। बड़ी बात ये थी कि उस दौर में अमिताभ के करियर को भी ऐसी फिल्मों की दरकार थी और आखिरकार उनकी वो ख्वाहिश भी पूरी हो गई। अमर अकबर एंथनी के बाद उन्होंने सुहाग,नसीब,देशप्रेमी, कुली,मर्द,तूफान और गंगा जमना सरस्वती जैसी फिल्में बनाईं और इन सबके हीरो अमिताभ बच्चन ही रहे। इन फिल्मों से मनमोहन देसाई ही नहीं बल्कि अमिताभ बच्चन का करियर भी चमक गया।
उन्होंने एक बार अमिताभ से कहा था कि,देखो अमित

तुम मुझे छोड़कर चले जाओ,इसका मुझे नहीं पता है। लेकिन मैं तुम्हें छोड़कर नहीं जाने वाला हूं। नतीजा यह रहा कि अमिताभ के साथ देसाई ने 7 ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं।

### दिलचस्प रही देसाई की प्रेमकहानी

मनमोहन देसाई की प्रेमकहानी भी बड़ी दिलचस्प रही। दरअसल उन्हें अपने पड़ोस में रहने वाली प्रभा नाम की एक लड़की से मोहब्बत थी। प्रभा को देसाई बहुत पसंद करते थे। प्रभा जहां जाती थीं,तो देसाई भी उनके पीछे जाते थे। ये मोहब्बत आगे बढ़ती गई। देसाई प्रभा से शादी करना चाहते थे,लेकिन शादी को लेकर बात बन नहीं पा रही थी,क्योंकि प्रभा के घरवाले इस शादी के खिलाफ थे। आखिरकार बहुत मानने और मनाने के बाद प्रभा के घरवाले इस शादी के लिए राजी हो गए और मनमोहन देसाई की शादी प्रभा के साथ शादी हो गई। शादी के बाद प्रभा और देसाई का एक बेटा हुआ,दोनों ने बेटे का नाम केतन रखा। केतन भी पिता की तरह ही फिल्ममेकर बने। हालांकि साल 1979 में केतन को एक बड़ा झटका लगा। ये झटका था उनकी प्रभा के निधन का।

### नंदा के करीब आए मनमोहन देसाई

पत्नी के जाने के बाद मनमोहन देसाई बिल्कुल टूट गए थे। इस मुश्किल वक्त में मनमोहन देसाई के साथ उनके बेटे केतन रहे। केतन ने अपने पिता को इस

गम से उबारने की ठानी। केतन के कहने के बाद मनमोहन देसई ने दोबारा से फिल्में बनाना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने कुली और देशप्रेमी जैसी फिल्में बनाईं। उधर उनके बेटे को जैसे ही पता चला कि उनके पिता एक्ट्रेस नंदा को काफी पसंद करते हैं, तो उन्होंने इसके चलते नंदा की करीबी सहेली वहीदा रहमान की मदद मांगी और कहा कि,वो दोनों की बातचीत करा दें। आखिरकार वहीदा रहमान ने नंदा और मनमोहन देसाई को डिनर पर बुलाया,यहां मनमोहन देसाई ने नंदा से दिल की बात कही। नंदा ने भी उनका प्रपोजल एक्सेप्ट कर लिया और दोनों की सगाई हो गई।

### बालकनी से गिरने के बाद हुई मौत

नंदा के साथ जब मनमोहन देसाई की सगाई हुई, तब वो 52 साल के थे। इसके बाद दोनों के परिवार शादी की तैयारियों में बिजी रहने लगे। हालांकि वक्त को तो कुछ और ही मंजूर था। साल 1994 में 1 मार्च को मनमोहन देसाई बालकनी से गिर गए और उनकी मौत हो गई। इस रहस्यमयी मौत ने हर किसी का दिल तोड़ दिया। नंदा जो देसाई से शादी करने जा रही थीं, उनके दिल पर तो मानो वक्त ने दर्द की बिजली गिरा दी। इसके बाद वो हमेशा अकेली रहीं और कभी किसी से शादी नहीं की।
मनमोहन देसाई हिंदी सिनेमा के उन डायरेक्टर्स में शुमार रहे, जिन्होंने खूब कामयाबी हासिल की। लगातार 7 सिल्वर जुबली और 4 गोल्डन जुबली फिल्में देकर उन्होंने एक अलग ही रिकॉर्ड बनाया,तो वहीं उनकी फिल्मों को दर्शकों ने भी खूब पसंद किया। यही वजह है कि आज भी उनके चाहने वाले उनकी फिल्मों को और उन्हें याद करते हैं।

## 46 साल पुरानी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लेकर आई थी सुनामी,नोट गिनने के लिए लगानी पड़ी थी मशीन

80 के दशक में अभिनेता फिरोज खान के करियर की एक ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर मूवी को रिलीज किया गया था। इस मूवी की कमाई इतनी रही थी, जिसके नोटों को गिनने के लिए मेकर्स को मशीन लगवानी पड़ी थी। वेटरन एक्टर रहे फिरोज खान ने एक अभिनेता और फिल्ममेकर के तौर पर सिनेमा जगत में अपनी छाप छोड़ी थी। 80 के दशक में उनकी एक ऐसी फिल्म रिलीज हुई थी, जो महीनों तक थिएटर्स में चली थी। आलम ये रहा था कि वह मूवी उस दौर की सबसे अधिक कमाई करने वाली मूवीज में शुमार हुई थी। उस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर इतना कारोबार किया था कि मेकर्स नोट गिनने के लिए मशीन लगानी पड़ी थी। आइए जानते हैं कि यहां कौन सी मूवी के बारे में जिक्र किया जा रहा है।

### अपरंपार रही थी फिल्म की कमाई

जिस फिल्म के बारे में यहां बात की जा रही है,उसे 1980 में बड़े पर्दे पर रिलीज किया गया था। ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी, जिसमें फिरोज खान,जीनत अमान,अमजद खान,शक्ति कपूर,अरुणा ईरानी और विनोद खन्ना जैसे कलाकार अहम भूमिका में मौजूद रहे। फिरोज ने न सिर्फ एक्टर निर्देशक के तौर पर भी इसकी कमान संभाली थी। अब तो आप समझ ही गए होंगे कि वह मूवी कोई और नहीं बल्कि कुर्बानी थी।
जी हां कुर्बानी हिंदी सिनेमा की कल्ट क्लासिक फिल्म मानी जाती है। फेसबुक द फिल्मी रेडियो की रिपोर्ट के अनुसार कुर्बानी उस दौर में बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में सुनामी लाई थी। मूवी ने शुरुआती दिनों में करीब 1.25 करोड़ का कारोबार किया था और मूवी का लाइफटाइम कलेक्शन 6 करोड़ से ज्यादा का रहा था। जिसे आज की रकम से जोड़ा जाए तो नंबर्स हैरान करने वाला रहेंगे।
कुर्बानी की बंपार को मद्देनजर रखते हुए फिरोज खान ने पैसे गिनने के लिए एक टीम को लगाया था और साथ ही उन्हें नोट गिनने की मशीन भी दी थी। अब जरा सोचिए फिरोज खान की कुर्बानी का क्रेज उस समय कितना अधिक रहा था।

# 200 मेहमान...कोडवा परंपरा...इस वजह से स्पेशल रही विजय-रश्मिका की शादी

राजस्थान के उदयपुर में साउथ सिनेमा के कलाकार रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने सात फेरे लिए हैं। आइए जानते हैं कि इन दोनों की शादी किस वजह से खास रही है। झीलों की नगरी उदयपुर गुरुवार को फिल्मी जगत की एक भव्य शादी का साक्षी बनी,जब'पुष्पा'फिल्म से देशभर में लोकप्रिय हुई अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने साउथ के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा के साथ पारंपरिक रीति-रिवाजों से सात फेरे लिए। विवाह समारोह को बेहद निजी रखा गया, जिसमें दोनों परिवारों के सदस्य, रिश्तेदार और चुनिंदा करीबी मित्र शामिल हुए।

### कोडवा परंपरा से हुआ विवाह

रश्मिका कर्नाटक के कोडवा समुदाय से संबंध रखती हैं,जबकि विजय तेलुगु हिंदू परिवार से आते हैं। ऐसे में विवाह में दोनों संस्कृतियों की परंपराओं का सुंदर समावेश देखने को मिला। सुबह तेलुगु विधि-विधान से गणपति पूजन, वरमाला और सप्तपदी की रस्में संपन्न हुईं, जबकि शाम चार बजे से कोडवा परंपरा के अनुसार विवाह अनुष्ठान हुए। कोडवा रीति में दुल्हन पारंपरिक रेशमी साड़ी और मंदिर आभूषणों में सजी नजर आईं, वहीं दूल्हे ने 'कुप्प्या' शैली की पोशाक और कमर में सजावटी खंजर धारण किया, जो उनकी योद्धा विरासत का प्रतीक माना जाता है। इस परंपरा में पंडित के मंत्रों की बजाय परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद विशेष महत्व रखता है।
सुबह रश्मिका के माता-पिता ने नारियल, पान के पत्ते, फल, मिठाई और हल्दी-कुमकुम भेंट कर दूल्हे पक्ष का स्वागत किया। विजय की मां माधवी देवरकोंडा ने दुल्हन को पारंपरिक खानदानी चूड़ियां पहनाईं।

### आर्किड और ट्यूलिप फूलों से सजाया होटल

उदयपुर स्थित होटल 'मेंमेटोस एकाया' में आयोजित समारोह में मंडप को कच्चे केले के तनों और बड़े पत्तों से सजाया गया। गुलाब, आर्किड और ट्यूलिप फूलों से सजी भव्य सजावट आकर्षण का केंद्र रही।
विवाह के बाद दूल्हे पक्ष ने होटल के बाहर मिठाई वितरित की। दोनों कलाकार हिंदी सिनेमा में भी सक्रिय रहे हैं। रश्मिका ने एनिमल में रणबीर कपूर के साथ मुख्य भूमिका निभाई,जबकि विजय देवरकोंडा लाइगर में नजर आए थे।

### 200 खास मेहमान शामिल, समारोह में लागू रही 'नो फोन पॉलिसी'

शादी में करीब 200 विशेष मेहमान शामिल हुए। समारोह में 'नो फोन पॉलिसी' लागू रही। शाम को डीजे नाइट का आयोजन हुआ,जिसमें प्रख्यात डीजे गणेश रंगनाथन प्रस्तुति दिए। मेहमानों के लिए दक्षिण भारतीय,पंजाबी और जापानी व्यंजनों की विशेष व्यवस्था की गई।फिल्म अभिनेत्री इंदिरा कृष्णन ने सोशल मीडिया पर नवदम्पति को शुभकामनाएं दीं। इस शाही विवाह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

## खेल समाचार

# भारत ने एफआईएच प्रो लीग में पहली जीत दर्ज की

**होबार्ट,26 फरवरी 2026।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एफआईएच प्रो लीग में लंबे समय से चली आ रही हार का सिलसिला खत्म किया। यहां रेगुलर टाइम खत्म होने पर दोनों टीमें 1-1 से बराबर थीं,जिसके बाद शूट-आउट में दुनिया की नंबर 3 ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया। पहले तीन क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर रही, जो बिना गोल के खत्म हुई,लेकिन प्रो लीग के होबार्ट लेग के अपने आखिरी गेम में जीत से भारतीयों का कॉन्फिडेंस बढ़ना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया ने 49वें मिनट में जेरेमी हेवर्ड के पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्जन से बढ़त बनाई। लेकिन घरेलू टीम की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी क्योंकि शिलानंद लाकड़ा (51वें मिनट) ने दो मिनट बाद एक शानदार फील्ड गोल करके बराबरी कर ली। इसके बाद, दोनों टीमों ने अहम विनर गोल करने की बहुत कोशिश की,

लेकिन नाकाम रहीं और मैच शूट-आउट में चला गया, जहां भारत ने दो पॉइंट्स जीते जबकि ऑस्ट्रेलिया ने एक पॉइंट हासिल किया। शूट-आउट में, लाकड़ा,मनिंदर सिंह और विष्णुकांत सिंह ने भारत के लिए गोल किए,जबकि ऑस्ट्रेलिया का एकमात्र गोल हेवर्ड ने किया। भारत के गोलकीपर मोहित शशिकुमार होनेनहल्ली ने शूट-आउट में ऑस्ट्रेलिया को तीन बार गोल करने से रोका और उन्हें बोनस पॉइंट दिलाने में मदद की।

# ज़ेवेरेव अकापुल्को में आगे बढ़े

**अकापुल्को,26 फरवरी 2026।** कार्लोस अल्काराज़ के खिलाफ़ ऑस्ट्रेलियन ओपन के ज़बरदस्त सेमी-फ़ाइनल में हार के बाद अपने पहले कॉम्पिटिटिव एक्शन में,दुनिया के नंबर 4 अलेक्जेंडर ज़ेवरेव मेक्सिकन ओपन के दूसरे राउंड में पहुँच गए। उन्होंने फ्रेंचमैन कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ़ 6-2,6-4 से जीत हासिल की। अकापुल्को में अपनी

15वीं जीत के साथ,ज़ेवरेव (15-5) 2014 में हार्ड कोर्ट पर आने के बाद से इस इवेंट में सबसे ज़्यादा जीत के मामले में राफेल नडाल (15-2) की बराबरी पर आ गए। उन्होंने 2009 में सीरीज़ शुरू होने के बाद से दूसरी सबसे ज़्यादा एटीपी 500 जीत के मामले में डेविड फेरर को भी पीछे छोड़ दिया, उनकी 117 जीत (117-49) सिर्फ़ नडाल की 121 (121-19) से पीछे हैं। ज़ेवरेव ने पहला सेट 40 मिनट से भी कम समय में अपने नाम कर लिया,उनकी सर्व में पाँच एस लगे और उन्होंने अपने विरोधी की सर्व दो बार तोड़ी। दूसरे सेट में। मौटे ने वापसी की लेकिन ज़ेवेरेव के ज़बरदस्त प्रदर्शन,खासकर उनके दो-हाथ वाले बैकहैंड और लगातार नेट प्ले के सामने कुछ खास नहीं कर सके।

# साउथ अफ्रीका की सुपर-8 में लगातार दूसरी जीत

### वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया; मार्करम की फिफ्टी,लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके

**अहमदाबाद,26 फरवरी 2026।** साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम ने गुरुवार के पहले मैच में वेस्टइंडीज को 9 विकेट से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग की। वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 176 रन बनाए। 177 रन का टारगेट साउथ अफ्रीका ने 16.1 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान ऐडन मार्करम ने नाबाद 82 और रायन

रिकेल्टन 45 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने नाबाद 52 रन बनाए। जबकि जेसन होल्डर 49 रन बनाकर आउट हुए। साउथ अफ्रीका की ओर से लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके। कगिसो रबाडा और कॉर्बिन बॉश को 2-2 विकेट मिले।

### होल्डर-शेफर्ड ने रिकॉर्ड साझेदारी की

टीम ने एक समय 83 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। यहां से जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने 8वें विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी करके टीम को 170 पार पहुंचा दिया। यह टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में 8वें विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

### साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के करीब,भारत की राह आसान

साउथ अफ्रीका ने सुपर-8 में लगातार दूसरा मैच जीत लिया है। टीम सेमीफाइनल के बेहद करीब पहुंच गई है। अफ्रीका के 2 मैच में 4 अंक हो गए हैं। टीम ग्रूप-1 पॉइंट्स टेबल के पहले स्थान पर है। वहीं,वेस्टइंडीज 2 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। भारत तीसरे और जिम्बाब्वे चौथे नंबर पर है।

### दोनों टीमों की प्लेइंग-11

**साउथ अफ्रीका:-** ऐडन मार्करम (कप्तान),क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर),रायन रिकेल्टन,डेवाल्ड ब्रेविस,डेविड मिलर,ट्रिस्टन स्टब्स,मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश,केशव महाराज,कगिसो रबाडा,लुंगी एनगिडी
**वेस्टइंडीज:-** ब्रैंडन किंग, शाई होप (कप्तान और विकेट कीपर),शिमरोन हेटमायर,रोवमन पॉवेल,शेरफन रदरफोर्ड,रोस्टन चेज,जेसन होल्डर, रोमारियो शेफर्ड,मैथ्यू फोर्ड,गुडाकेश मोती और शमार जोसेफ।

# अनीश हेडबट मामले में कप्तान डोगरा पर जुर्माना

**हुबली,26 फरवरी 2026।** रणजी ट्रॉफी फाइनल में उस समय तनाव बढ़ गया जब खिताबी मुकाबले के दूसरे दिन एक विस्फोटक बहस के दौरान कर्नाटक के स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक केवी अनीश को सिर से मारने के लिए जम्मू-कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। अनुशासनात्मक कार्रवाई हाल के घरेलू क्रिकेट फाइनल में देखे गए सबसे अस्थिर क्षणों में से एक के बाद हुई है, जब एक बेहद प्रतिस्पर्धी मैच थोड़े समय के लिए टकराव में बदल गया था। जम्मू-कश्मीर की पहली पारी के 101वें ओवर में फ्लैशप्वाइंट हुआ। डोगरा, कन्हैया वधावन के साथ बल्लेबाजी करते हुए, कर्नाटक के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद को बाउंड्री के पार ले गए थे, तभी उनके और फॉरवर्ड शॉर्ट

लेग पर तैनात अनीश के बीच मौखिक विवाद शुरू हो गया। जो बात शुरू हुई वह तेजी से बढ़ती गई। डोगरा अनीश की ओर बढ़े और हेडबट के साथ संपर्क की शुरुआत करते हुए हेलमेट पहने स्थानापन्न खिलाड़ी पर वार करते दिखे। कर्नाटक के कप्तान मयंक अग्रवाल स्थिति को शांत करने के लिए दौड़े और अंपायरों ने हस्तक्षेप करके स्थिति को आगे बढ़ने से रोका।
क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, समझा जाता है कि डोगरा ने ओवर के अंत में माफी मांगी थी, लेकिन अनीश ने कथित तौर पर इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस घटना पर केएल राहुल और अग्रवाल सहित कर्नाटक के वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की,जिन्हें तत्काल बाद जम्मू-कश्मीर के कप्तान के साथ तीखी नोकझोंक में उलझते देखा गया। आवेशित वातावरण नष्ट नहीं हुआ। इसके तुरंत बाद,एक और टकराव सामने आया जब कर्नाटक के तेज गेंदबाज विजयकुमार वैश्य और वधावन एक रन के दौरान संपर्क के बाद एक साथ आए, जो शिखर संघर्ष के आसपास तनाव और तीव्रता को रेखांकित करता है।

# अबू धाबी में एडिडास नेक्स्टजेन यूरोलीग क्वालिफायर शुरू

**रियाध,26 फरवरी 2026** अबू धाबी में इस हफ़्ते एडिडास नेक्स्टजेन यूरोलीग टूर्नामेंट में यूरोप के सबसे होनहार युवा बास्केटबॉल टैलेंट होंगे। कॉन्टिनेंट की आठ टॉप अंडर-18 टीमें 27 फरवरी से 1 मार्च तक स्पेस42

एरिना में मुकाबला करेंगी, जिसमें एथेंस में होने वाले फाइनल में जगह पक्की होगी। मई में होने वाले फाइनल ग्रीक कैपिटल में यूरोलीग फाइनल फोर के साथ होंगे। डिफेंडिंग कॉन्टिनेंटल चैंपियन ज़ालगिरिस कौनास और पांच बार के टाइटल होल्डर रियल मैड्रिड अबू धाबी क्वालिफायर में मुख्य खिलाड़ी होंगे, जो 2025-26 एडिडास नेक्स्टजेन यूरोलीग सीज़न का हिस्सा है। आठ टीमों को चार-चार के दो ग्रूप में बांटा गया है और वे राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में खेलेंगी। हर ग्रूप के विजेता रविवार के चैंपियनशिप गेम में आगे बढ़ेंगे,जबकि प्लेसमेंट फिक्स्चर बाकी स्टैंडिंग तय करेंगे। अबू धाबी इवेंट उल्म क्वालिफायर के बाद होगा,जिसे 18 सेडेविटा ओलम्पिजा लजुब्लजाना ने जीता था, जिन्होंने एथेंस में अपनी जगह पहले ही पक्की कर ली है। बोलोग्ना (13-15 मार्च) और बेलग्रेड (20-22 मार्च) में होने वाले आने वाले टूर्नामेंट के विजेता फाइनल लाइनअप को पूरा करेंगे।

# 'दवा में दगा': छत्तीसगढ़ का 'सफेद कोट' सिंडिकेट और सिस्टम का मीठा बुखार

## नकली दवा,असली संरक्षण : छत्तीसगढ़ में कौन है मास्टरमाइंड?

- बिल असली,माल नकली: भाटापारा से फैलता 'हेल्थ घोटाला'
- जांच जारी है...पर एफआईआर गायबः दवा कांड का अनकहा सच
- चार नाम, एक नेटवर्क? औषधि विभाग पर उठते गंभीर सवाल
- दवा के नाम पर धोखाः सिस्टम की सेहत ठीक, मरीज बेहाल
- सफेद कोट की सियासतः नकली दवाइयों का कथित खेल

### लैब में फेल,फाइल में पासः छत्तीसगढ़ का दवा रहस्य

### इलाज या इल्युज़न? नकली दवा सिंडिकेट की परतें

### स्वास्थ्य से खिलवाड़ः किसके संरक्षण में फल-फूल रहा दवा का कारोबार?

न्यूज डेस्क

रायपुर,26 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कहते हैं दवा कड़वी हो तो असर करती है,मगर छत्तीसगढ़ में इन दिनों जो 'दवा' बाजार में घूम रही है,वह इतनी मीठी है कि सिस्टम को कुछ नहीं होता–बस मरीजों की सेहत पर ही कड़वाहट उतरती है,नकली या संदिग्ध गुणवत्ता वाली दवाइयों का कथित सिंडिकेट सालों से फल-फूल रहा है,और हर बार की तरह सवाल पूछने वालों को 'जांच जारी है' की गोली देकर शांत कर दिया जाता है।

### भाटापारा: जहां बिल असली,माल 'कलात्मक'

सूत्रों की मानें तो इस कथित खेल का केंद्र भाटापारा (जिला बलोदा बाजार) बताया जाता है,यहां का मॉडल बड़ा वैज्ञानिक है–बिल असली कंपनी का,पैकेट नकली,और भरोसा जनता का,दिसंबर 2025 में ट्रांसपोर्ट से पकड़ी गई खेप लैब में फेल हो गई,पर केस फाइल शायद 'पास' हो गई–क्योंकि आज तक एफ आई आर नहीं। ट्रांसपोर्टर,सप्लायर, रिसीवर–तीनों के खिलाफ कार्रवाई की सुई जैसे 'लो ब्लड प्रेशर' में अटकी रह गई।

### सिंडिकेट का कथित 'चार स्तंभ'- सूत्रों के दावों में चार नाम बार-बार तैरते हैं...

- **बेणीराम**–स्थानांतरण के बाद भी प्रभाव कायम रखने की चर्चा।
- **नीरज**–एक ही जगह पर वर्षों से ड्रग इंस्पेक्टर,अनुभव इतना कि सिस्टम भी उनसे सलाह ले ले।
- **रविंद्र गेंदले**–जांजगीर चंपा में पदस्थ, एसीबी ने रिश्वत लेते पकड़ा था पर चर्चा रायपुर तक।
- **हिरण पटेल** –जिनका नाम पहले छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन से जुड़े कथित 750 करोड़ के घोटाले में उछला। (स्पष्ट रहेः ये आरोप सूत्रों पर आधारित हैं; आधिकारिक पुष्टि/न्यायिक निर्णय लंबित हैं।) व्यंग्य यही है कि अगर यह सब अफवाह है तो अफवाह बहुत संगठित है–और अगर सच है तो सच बहुत सुरक्षित है।

### कारोबार का कथित 'वैज्ञानिक' मॉडल

- बाहर के राज्यों से सस्ती/संदिग्ध दवाइयों की खेप।
- ट्रांसपोर्ट में 'आराम'–जब तक कागजी योगासन पूरे न हों।
- असली कंपनियों के बिलों का 'क्रिएटिव' उपयोग।
- चुनिंदा होल सेलरों के जरिए बाजार में एंट्री।
- शिकायत पर सीमित कार्रवाई, पर एफआईआर से परहेज–ताकि सबकी सेहत ठीक रहे।

सिस्टम इतना फिट है कि मरीज ही अनफिट पड़ जाता है।

**CGMSC की परछाई**–छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन में कथित अनियमितताओं की जांच ने पहले भी सुर्खियां बटोरीं। सवाल उठता है–यदि गंभीर आरोपों के बाद भी कुर्सियां सुरक्षित हैं, तो जनता की दवा कितनी सुरक्षित होगी?यहां फाइलें शायद एंटीबायोटिक-रेसिस्टेंट हो गई हैं–कोई भी कार्रवाई उन पर असर नहीं करती।

**'जांच जारी है' की शुगर-फ्री गोली**– दिसंबर 2025 की जब्ती के बाद लैब रिपोर्ट में दवा नकली पाई गई,मोबाइल में कथित सबूत,बिल में असली कंपनी का नाम–सब कुछ मिला,बस एफआईआर नहीं मिली, क्या वजह है? प्रक्रियात्मक देरी? सबूतों की 'डोज़' कम? या फिर संरक्षण की 'ओवरडोज़'?जब जवाब नहीं मिलता,तो व्यंग्य ही बचता है।

**सबसे बड़ा दुष्प्रभाव** : जनता-टीबी, कैंसर,डायबिटीज के मरीजों को नकली दवा–सीधा जीवन से खिलवाड़,एंटीबायोटिक की नकली खुराक–रेसिस्टेंस का खतरा,गर्भवती महिलाओं और बच्चों पर जानलेवा असर,यह सिर्फ आर्थिक अपराध नहीं,यह भरोसे की हत्या है,दवा पर भरोसा टूटे तो अस्पताल की दीवारें भी संदिग्ध लगने लगती हैं।

**सरकार के लिए 'हेल्थ चेक-अप'**- चाहे सरकार किसी भी दल की हो,यदि वर्षों से यह कथित नेटवर्क चलता रहा तो यह सामूहिक विफलता है,जरूरत है–स्वतंत्र SIT/ACB जांच की,जब्ती के हर केस में अनिवार्य एफआईआर की समयसीमा तय करने की,लाइसेंसिंग और पोस्टिंग में पारदर्शिता की,व्हिसलब्लोअर सुरक्षा की,अगर आरोप झूठे हैं तो पारदर्शी जांच से क्लीन चिट दीजिए,अगर सच हैं तो कठोर कार्रवाई कीजिए–ताकि अगली बार कोई दवा से दग़ा न कर सके।

### कड़वी सच्चाई की जरूरत

छत्तीसगढ़ में दवा का बाजार सिर्फ कारोबार नहीं,जीवन की उम्मीद है,मगर जब उम्मीद पर ही 'डुप्लीकेट' का ठप्पा लगे,तो सवाल उठना लाजिमी है–मास्टरमाइंड कौन? संरक्षण किसका? जनता को अब 'जांच जारी है' की नहीं, जवाबदेही की दवा चाहिए,वरना यह सफेद कोट का बुखार बढ़ता ही जाएगा–और इलाज के नाम पर फिर वही मीठी गोली मिलती रहेगी।

### अगले अंक में...

अगले अंक में पढ़िए–'बेनी राम साहू की राजनीतिक पकड़ और कथित कारनामे' कौन हैं संरक्षणकर्ता? कैसे बनी नेटवर्क की परतें? और सत्ता-सिस्टम के बीच क्या है कनेक्शन? जुड़े रहिए... क्योंकि कहानी अभी बाकी है।

### डिस्क्लेमर

इस समाचार में प्रकाशित तथ्यों,नामों और घटनाओं का आधार प्राप्त दस्तावेज़ों,सूत्रों,शिकायतों एवं उपलब्ध जानकारियों पर आधारित है,उल्लेखित आरोप संबंधित व्यक्तियों/संस्थाओं के विरुद्ध लगाए गए कथित आरोप हैं, जिनकी अंतिम पुष्टि सक्षम जांच एजेंसी अथवा न्यायालय के निर्णय से ही होगी,समाचार का उद्देश्य जनहित के मुद्दे को उठाना एवं पारदर्शिता की आवश्यकता को रेखांकित करना है, न कि किसी व्यक्ति या संस्था की प्रतिष्ठा को आघात पहुंचाना,यदि संबंधित पक्ष अपना स्पष्टीकरण या प्रतिक्रिया देना चाहते हैं,तो उन्हें यथोचित स्थान प्रदान किया जाएगा।

# रायपुर का कुख्यात बदमाश देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार

## मर्डर-आर्म्स एक्ट जैसे 31 केस का है आरोपी,आदतन बदमाश संजू भी पकड़ाया

**रायपुर,26 फरवरी 2026।** रायपुर के कालीबाड़ी नेहरू नगर में लंबे समय से सूखे नशे के अवैध कारोबार करने वाले आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में मुख्य सरगना मुकेश बनिया और उसका भाई संजू गिरफ्तार हुए,जो लंबे समय से फरार थे। इलाके में डर का माहौल बनाए हुए थे। आरोपियों के पास से देसी कट्टा भी बरामद किया गया है। जानकारी के मुताबिक,24 फरवरी 2026 को सिटी कोतवाली पुलिस ने नेहरू नगर नरैय्या तालाब इलाके में दो लोग अब्दुल जफर और सुनील जगत को गांजा बेचते हुए पकड़ा। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने कालीबाड़ी में नाले के पास हाइडआउट पर छापा मारा। वहां से करीब 7 किलो 397 ग्राम गांजा, पैकिंग सामग्री,तौल मशीन,वाई-फाई उपकरण,सीसीटीवी कैमरा और मोशन सेंसर बरामद हुए। आरोपी अब्दुल जाफर के खिलाफ पहले से 11 आपराधिक मामले दर्ज थे। 25/26 फरवरी की रात मुखबिर से सूचना मिलने पर एंटी क्राइम और साइबर यूनिट की टीम ने नरेश्वर मंदिर,नरैया तालाब इलाके में दबिश दी। इस दौरान मुकेश बनिया और उसका भाई संजू पकड़े गए। तलाशी में उनके कब्जे से करीब 6 किलो 119 ग्राम गांजा,एक देशी कट्टा,तीन जिंदा कारतूस,2400 नशीली गोलियां और मोबाइल बरामद हुए। दोनों आरोपी पहले से ही गंभीर अपराधों में शामिल पाए गए हैं। मुकेश बनिया के खिलाफ अब तक 31 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं,जिनमें हत्या,आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट,गुंडागर्दी,मारपीट और अवैध शराब बिक्री शामिल हैं। संजू के खिलाफ भी 15 से ज्यादा गंभीर मामले दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया गया है।

# रायगढ़ में 9 थाना प्रभारियों का तबादला 2 महिला उप निरीक्षक के प्रभार में फेरबदल

**रायगढ़,26 फरवरी 2026।** छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में थाना क्षेत्रों में प्रशासनिक कसावट लाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तबादला आदेश जारी किया है। इस आदेश के तहत जिले के 9 थाना प्रभारियों समेत 2 उप निरीक्षकों के प्रभार में बदलाव किया गया है। तबादले की सूची में शहर और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के थाने शामिल हैं। मिली जानकारी के अनुसार,जिले के कुछ थाना प्रभारियों का लंबे समय से एक ही थाने में पदस्थापन था। इसे ध्यान में रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के तहत यह फेरबदल किया है। आदेश के तहत पुसौर थाना प्रभारी रामकिंकर यादव को पूंजीपथरा थाना प्रभारी बनाया गया है। प्रशांत राव आहेर को जूटमिल से तमनार थाना प्रभारी का प्रभार दिया गया है। कोतरा रोड थाना प्रभारी मोहन भारद्वाज को पुसौर भेजा गया है। अभिनवकांत सिंह को रक्षित केंद्र से जूटमिल थाना प्रभारी बनाया गया है। राकेश मिश्रा को पूंजीपथरा से चक्रधर नगर थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है। नसीरुद्दीन खान को साइबर थाना से छाल थाना प्रभारी बनाया गया है। त्रिनाथ त्रिपाठी को छाल से खरसिया चौकी प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

# छत्तीसगढ़ विधानसभा सदन में कस्टोडियल डेथ के मुद्दे की गूंज

## 66 बंदियों की कस्टोडियल डेथ,विधानसभा में गृहमंत्री शर्मा ने दी जानकारी

**रायपुर, 26 फरवरी 2026।** छत्तीसगढ़ विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन सदन में कस्टोडियल डेथ के मुद्दे की गूंज रही। प्रश्नकाल के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 तक राज्य की जेलों में हुई मौतों का मुद्दा उठाया। गृह मंत्री विजय शर्मा ने जवाब में बताया कि इस अवधि में 66 बंदियों की मृत्यु हुई है। इस पर भूपेश बघेल ने मृतकों की नामवार सूची और विशेष रूप से जीवन ठाकुर के मामले की जानकारी मांगी। मंत्री ने कहा कि जीवन ठाकुर का नाम सूची में शामिल है और उनकी तबीयत खराब होने पर इलाज के बाद मृत्यु हुई। वहीं, उन्होंने पंकज साहू का मामला निर्धारित अवधि से बाहर का बताया और जांच प्रक्रिया नियमानुसार होने की बात कही। प्रश्नकाल में ही मेकाहारा में मशीन खरीदी और करोड़ों की मशीन अब तक ना शुरू कर पाने का मुद्दा भी उठा। इस मामले में बीजेपी विधायक अजय चंद्राकर ने

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को घेरा। मंत्री और चंद्राकर के बीच तीखी नोकझोंक हुई। चंद्रकार ने पूछा कि मशीन कहा हैं, शुरू क्यों नहीं हो पाई? मशीन हवा में है या पाताल में है? जवाब में स्वास्थ मंत्री ने कहा कि मशीन पूर्व के समय खरीदी गई है, मेकाहारा में रखा गया है। जांच चल रही है, उसके बाद शुरू किया जाएगा। विधानसभा की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

**सदन में ड्रग पैडलर नाव्या मलिक के नाम की गूंज** : इसी दौरान ड्रग मामलों को लेकर भी चर्चा हुई। भूपेश बघेल ने 282 ड्रग प्रकरणों की सूची में नाव्या मलिक का नाम नहीं होने पर सवाल उठाया और उसके विदेशी कनेक्शन की जानकारी मांगी। मंत्री विजय शर्मा ने बताया कि 282 मामलों में 206 में चालान पेश हो चुका है और 662 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने संबंधित नाम पर पूरी जानकारी उपलब्ध कराने की बात कही।

### आदिवासी नेता को तिल-तिल कर मारा गया : भूपेश

कस्टोडियल डेथ के मुद्दे पर सदन में जोरदार हंगामा हुआ। कांग्रेस विधायक सावित्री मण्डावी ने गिरफ्तारी की संख्या और जेल स्थानांतरण की प्रक्रिया पर सवाल उठाए, जिस पर गृह मंत्री विजय शर्मा ने 8 लोगों की गिरफ्तारी और परिवार को सूचना दिए जाने की बात कही। भूपेश बघेल ने मजिस्ट्रेट जांच पर असंतोष जताते हुए विधानसभा समिति से जांच की मांग की। उन्होंने जीवन ठाकुर की मौत को 'सरकारी हत्या' करार देते हुए आरोप लगाया कि एक आदिवासी नेता को तिल–तिल करके मारा गया। सरकार के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने नारेबाजी की और वॉकआउट कर दिया।

### धान खरीदे के मुद्दे पर हंगामा,विपक्ष के विधायक निलंबित

शून्यकाल में धान खरीदी के मुद्दे पर जमकर बवाल हुआ। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सरकार पर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया। विधायक उमेश पटेल ने कहा कि पंजीकृत किसानों से धान नहीं खरीदा गया और करोड़ों का भुगतान लंबित है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों के अपने खेत परिसर में प्रवेश पर सवाल उठाए। स्थगन प्रस्ताव पर चर्चा बजट सत्र के कारण नहीं हो सकी। इसके बाद विपक्ष ने गर्भगृह में जाकर नारेबाजी की और सदन की परंपरा के अनुसार वहां गए विधायकों को निलंबित कर दिया गया।

# बिलासपुर एसबीआई में 2.6 करोड़ की हेराफेरी...कैशियर अरेस्ट

## रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर उड़ाई राशि

**बिलासपुर,26 फरवरी 2026।** छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्टेट बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए गबन करने वाली कैशियर को एंटी करप्शन ब्यूरो ने गिरफ्तार किया है। हेराफेरी उजागर होने के बाद कैशियर को निलंबित कर दिया गया था। वहीं,एंटी करप्शन ब्यूरो में एफआईआर भी दर्ज कराई गई थी,जिसके बाद से आरोपी कैशियर फरार चल रही थी। मामला बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा का है। दरअसल, बिल्हा स्थित एसबीआई शाखा में पिछले साल 2025 में बैंक की राशि में हेराफेरी करने का मामला सामने आया था। बैंक का रिकॉर्ड और खातों की जांच के बाद पता चला कि बैंक में पदस्थ कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा और अन्य कर्मचारियों ने मिलकर बैंक के रिकॉर्ड और खातों में छेड़छाड़ किया। धोखाधड़ी कर 2 करोड़ 6 लाख 37 हजार रुपए का गबन कर लिया है। बैंक में जमा राशि में अंतर आने के बाद शाखा प्रबंधक पीयूष बारा ने विभागीय जांच की, तब आर्थिक अनियमितता का पता चला। उन्होंने इसकी जानकारी मुख्यालय को दी, जिसके बाद कैशियर तेजवथ थीरापतम्मा को निलंबित कर दिया गया।

# बीजापुर में सुरक्षाबलों ने 2 नक्सलियों को मार गिराया

## शव-हथियार बरामद,ओडिशा में सरेंडर से पहले नक्सली का मर्डर,साथियों ने मारकर दफनाया

**बीजापुर,26 फरवरी 2026।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो वर्दीधारी नक्सलियों को मार गिराया। दोनों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मौके से स्क्र और इंसास समेत अन्य हथियार भी जब्त किए गए हैं। एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। जांगला थाना क्षेत्र के इंद्रावती नदी के जैगुर-डोडुम के जंगलों में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम सर्चिंग के लिए निकली थी। जवानों को देखते ही नक्सलियों ने फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलियां दागी। ढेर हुए नक्सलियों में एक महिला नक्सली भी शामिल है। वहीं, पड़ोसी राज्य ओडिशा के कंधमाल जिले में एक नक्सली को उसके ही साथियों ने गोली मारकर दफना दिया। अन्वेष 22 लाख का इनामी था। वह अपने 12 साथियों के साथ जल्द ही आत्मसमर्पण करने वाला था। उससे पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

**इंसास राइफल,बोर बंदूके जब्त** : एसपी डॉ. जितेंद्र यादव ने बताया कि मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च अभियान में दो वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद हुए। मौके से एक एसएलआर, एक इंसास राइफल, एक 12 बोर राइफल, विस्फोटक सामग्री और दैनिक उपयोग के सामान भी जब्त किए गए हैं।

**पड़ोसी राज्य में नक्सली की हत्या** : 26 फरवरी को ओडिशा के कंधमाल जिले में नक्सली को उसके ही साथियों ने मार डाला। पुलिस के मुताबिक, अन्वेष दरिंगबाड़ी थाना क्षेत्र के पाकरी रिजर्व फॉरेस्ट में केकेबीएन ग्रुप के एरिया पार्टी कमांडर था। अन्वेष समर्पण की तैयारी में था। इसी शक में उसे मारकर जंगल में दफना दिया गया। मोस्ट वांटेड नक्सली सुकुरु और अन्य साथियों ने वारदात को अंजाम दिया है। हत्या से पहले दोनों पक्षों में विवाद भी हुआ था। कंधमाल एसपी हरीशा बीसी ने घटना को संगठन की अंदरूनी कलह बताया है। उन्होंने कहा कि, जो लोग अभी भी संगठन में हैं, वे सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाकर सामान्य जीवन में लौटें।

**कांकेर में डीवीसीएम मासे ने डाले हथियार** : कांकेर के छिंदपदर गांव से माओवादी डीवीसीएम मासे बारसा ने एके 47 के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। मासे साल 2003 से दण्डकारणय, अबूझमाड़ और उत्तर बस्तर में माओवाद संगठन में सक्रिय थी। 26 फरवरी को उसने जंगल के रास्ते हाथों में एके-47 लेकर कांकेर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)